RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7, अंकः 212, सोमवार, 14 सितंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

शिक्षक दिवस पर एबीसी कोचिंग सेंटर में भव्य समारोह 03

एसडीएम ने किया रेवहिया कटाव स्थल का किया निरीक्षण 04
बिग बॉस में छाईं अदिति सिंह कई विज्ञापनों और म्यूजिक वीडियों में... 07

गणेशोत्सव की धूम आज से, घर-घर विराजेंगे बप्पा

इस बार हरतालिका तीज का भी साथ में बन रहा संयोग

उज्जैन (एजेंसी)। देशभर में कल 14 सितंबर से 10 दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत होगी। इसी दिन हरतालिका तीज का व्रत भी है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस बार तृतीया युक्त चतुर्थी का संयोग बन रहा है, जो धार्मिक दृष्टि से विशेष माना गया है। हरतालिका तीज पर पूजन-व्रत से सुख-सौभाग्य और पति की दीर्घायु की कामना की जाती है। कल चतुर्थी से ही 10 दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत होगी। इस दौरान उज्जैन के प्रसिद्ध चिंतामन गणेश और बड़े गणेश मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना चलेगी, जिसमें देश-विदेश से आए श्रद्धालु शामिल होंगे।

तृतीया-चतुर्थी का संयोग विशेष फलदायी

ज्योतिषाचार्य अमर डिब्बावाला ने बताया कि शास्त्रीय मत में यदि हरतालिका तीज, चतुर्थी के साथ आती है तो इसे सामान्य से अधिक फलदायी माना जाता है। तृतीया युक्त चतुर्थी को सुख-सौभाग्य, परिवार की समृद्धि और पति की दीर्घायु के लिए विशेष माना गया है। इस बार गणेश चतुर्थी सोमवार को पड़ रही है। सोमवार के स्वामी भगवान शिव माने गए हैं और चतुर्थी तिथि के स्वामी भगवान गणेश हैं। ऐसे में गणेश जी के साथ शिव जी के भक्तों के लिए इस दिन का विशेष महत्व है। मान्यता है कि गणेश पूजा से बुद्धि, विवेक, सुख-समृद्धि और कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। भगवान गणेश की पूजा में हरी और ताजी दूर्वा चढ़ाना शुभ माना जाता है। भगवान को लाल फूल, विशेषकर गुड़हल, लाल चंदन, सिंदूर और लाल या पीले वस्त्र अर्पित किए जाते हैं। पूजा में शमी के पत्ते भी चढ़ाएं। भोग में मोदक, लड्डू, फल, नारियल और अन्य मिठाइयां रखी जा सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

इंडोनेशिया में डूबा 243 यात्रियों वाला जहाज

- 102 लोगों को बचाया गया, एक की मौत, 140 की तलाश जारी

बाली (एजेंसी)। इंडोनेशिया में 243 लोगों को लेकर जा रहा एक यात्री जहाज रविवार को डूब गया। इसमें 1 की मौत हुई है। हादसे के बाद करीब 140 यात्री और क्रू मेंबर लापता बताए जा रहे हैं। रेस्क्यू टीम ने अलग-अलग जहाजों

की मदद से 102 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है, जबकि एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। विर्गो ट्रांसपोर्ट 8 नाम का यह जहाज पूर्वी जावा के सुराबाया से बोर्नियो द्वीप के बंजारमासिन जा रहा था। अधिकारियों ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। रेस्क्यू टीम ने जहाज की आखिरी लोकेशन की ओर कई जहाज और एक हेलीकॉप्टर भेजा है।

घुसपैठ कर रहे बांग्लादेशी तस्कर को बीएसएफ ने मारा

- बीजीबी ने कबूला सच, तारिक रहमान सरकार निशाने पर

ढाका/नई दिल्ली (एजेंसी)। बीएसएफ ने भारत की सीमा में घुसपैठ करने वाले एक बांग्लादेशी तस्कर को मार गिराया है। रिपोर्ट के मुताबिक ये तस्कर बांग्लादेश के ठाकुरगाव के पीरगंज उपजिले में सीमा के पास मारा गया है। प्रोथोम आलो ने बताया है कि बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स की गोलीबारी में घायल हुए बांग्लादेशी तस्कर की इलाज के दौरान मौत हो गई। भारत के उत्तरी दिनाजपुर जिले के रायगंज में चोकशिबानंद कैंप के बीएसएफ जवानों की गोली से असदुल हक नाम का ये तस्कर घायल हुआ था।

गोवा में एएपी ने जीएफपी के साथ किया गठबंधन

- अरविंद केजरीवाल ने खुद किया ऐलान, साथ में लड़ेंगे

पणजी (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने गोवा में गोवा फॉरवर्ड पार्टी के साथ गठबंधन का ऐलान किया है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर इस गठबंधन की घोषणा की। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गोवा के लोगों के लिए गणेश चतुर्थी के मौके पर यह एक बड़ा तोहफा है। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी और गोवा फॉरवर्ड पार्टी के गठबंधन का नाम गोवा फर्स्ट होगा। केजरीवाल ने कहा कि गोवा में इस गठबंधन की जरूरत इसलिए महसूस हुई क्योंकि पिछले कई वर्षों से लोगों के सामने सीमित राजनीतिक विकल्प रहे हैं।

सहयोग और विविधता को सेलिब्रेट कर पूरी हुई समिट

ब्रिक्स की शक्ति हमारी विविधता और सहयोग में है

पीएम मोदी बोले-ग्लोबल साउथ देशों का भरोसा बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विविधता और सहयोग को सेलिब्रेट करते हुए ब्रिक्स समिट पूरी हुई। इस बार ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत ने की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ब्रिक्स में ग्लोबल साउथ के देशों का विश्वास बढ़ा है, क्योंकि ब्रिक्स में उनकी आवाज सुनी जाती है, उनके अनुभव का सम्मान होता है और समाधान उनके लिए नहीं, उनके साथ मिलकर बनाए जाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिक्स की शक्ति हमारी विविधता और सहयोग में है। ब्रिक्स के पार्टनर देश और आउटरीच के लिए आमंत्रित विशेष प्रतिनिधियों के साथ एक सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि टेक्नॉलजी और क्रिटिकल मिनरल्स का वेपनाइजेशन हमारी साझा प्रगति में बाधा बन सकता है।

पीएम मोदी का सबको साथ लेकर चलने पर जोर

पीएम ने कहा कि महामारियों, क्लाइमेट डिजास्टर और सप्लाई चेन में गतिरोध ने दिखाया है कि आज की इंटरकनेक्टेड दुनिया में कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। इसलिए हमने ब्रिक्स समूह में कई कदम उठाए हैं।

मित्रता, सहभागिता और सहयोग...ऐसे हुआ समापन

उन्होंने कहा कि भारत ने ब्रिक्स के मंच से मित्रता, सहभागिता और सहयोग को आगे बढ़ाया है। हमारी कोशिश है कि ब्रिक्स सहयोग सिर्फ सरकारों तक सीमित ना रहे। हमारे उद्यमी, किसान, रिसर्चर, महिलाएं, युवा इसके सक्रिय भागीदार बनें। पीएम मोदी ने कहा कि हमारा मानना है कि ब्रिक्स में विकसित सल्यूशन का लाभ सिर्फ ब्रिक्स तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इन्हें ग्लोबल साउथ की जरूरतों के अनुरूप अपनाने की जरूरत है।

कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज की इंटरकनेक्टेड दुनिया में कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। चुनौतियों को समय रहते पहचानना, उनके लिए तैयार रहना और तुरंत कार्रवाई करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज विश्व में तनावों की संख्या लगातार बढ़ रही है और लोगों के जीवन पर इसका बहुत नकारात्मक असर प्रभाव भी हो रहा है और व्यापक प्रभाव भी हो रहा है।

भारत का पीएम पाकिस्तान में अंदर तक घुसकर मारेगा

अमित शाह बोले-इससे पहले यह कौन सोच सकता था

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को मुंबई में कहा कि पीएम मोदी ने हर क्षेत्र में बदलाव लाने का काम किया है। पहले कौन सोच सकता था कि आतंकवादी हमले की स्थिति में भारत का प्रधानमंत्री पाकिस्तान की सीमा में घुसकर जवाब देने को तैयार होगा। चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो, एयर स्ट्राइक हो या ऑपरेशन सिंदूर, हमारे नेता नरेंद्र मोदी ने ऐसी रक्षा नीति बनाई है जिससे भारत पर हमला करने के बारे में सोचते ही हमारे दुश्मनों को दो बार सोचना पड़ता है। अमित शाह मुंबई में 52वें इंडिया जेम एंड ज्वेलरी अवॉर्ड्स समारोह में शामिल हुए थे। उसके बाद उन्होंने भाजपा के सेवा संकल्प अभियान की लॉन्चिंग की। शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईं।

भारत फ्रैजाइल फाइव इकोनॉमी से बाहर निकला

भारत 2014 में 'फ्रैजाइल फाइव इकोनॉमी से बाहर निकलाः केंद्र सरकार ने पिछले 12 सालों में बुनियादी बदलाव किए हैं। इसके परिणामस्वरूप भारत 2014 में 'फ्रैजाइल फाइव' अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने से निकलकर आज दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में पहुंच गया है। 2014 में भारत को फ्रैजाइल फाइव में गिना जाता था, लेकिन आज वह दुनिया की टॉप 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। 2047 तक भारत हर क्षेत्र में आगे रहेगा :भारत ने जीडीपी में 7.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है और प्रमुख देशों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है। पीएम मोदी ने लोगों में यह विश्वास पैदा किया है कि 15 अगस्त 2047 तक भारत हर क्षेत्र में दुनिया के सभी देशों से आगे होगा।

नेता प्रतिपक्ष को गुड फ्रेंड बताया, हर भारत दौरे पर मिलते हैं

राहुल गांधी से मिले मलेशियाई पीएम, साथ में किया नाश्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में चल रहे 18वें ब्रिक्स समिट के बीच मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने रविवार को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं। यह मीटिंग ब्रिक्स समिट के इतर हुई। सभी ने साथ में ब्रेकफास्ट किया। लेकिन मुलाकात कहां पर हुई, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। कांग्रेस और पीएम इब्राहिम ने एक्स पर तस्वीरें भी शेयर की हैं। इब्राहिम ने लिखा- आज सुबह ब्रेकफास्ट पर अपने अच्छे दोस्त राहुल गांधी से एक बार फिर मिलने का मौका मिला। हमने हाल के अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर अपने विचार शेयर किए।

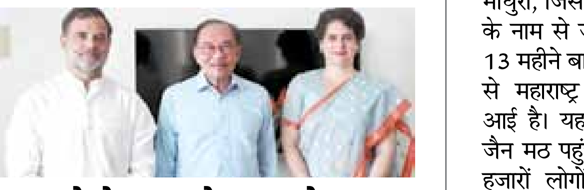

8 सालों में राहुल से भारत में तीसरी बार मिले इब्राहिम

मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम पिछले 8 सालों के दौरान तीन बार भारत आए। हर बार उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात जरूर की।

वनतारा से 13 महीने बाद कोल्हापुर लौटी हथिनी महादेवी

हजारों लोगों ने रास्ते में खड़े होकर फूल बरसाकर स्वागत किया

कोल्हापुर (एजेंसी)। हथिनी माधुरी, जिसे कोल्हापुर में महादेवी के नाम से जाना जाता है, करीब 13 महीने बाद गुजरात के वनतारा से महाराष्ट्र के कोल्हापुर लौट आई है। यहां नांदणी गांव स्थित जैन मठ पहुंचने पर शनिवार रात हजारों लोगों ने फूल बरसाकर उसका स्वागत किया। महादेवी को जुलाई 2025 में हाई पावर कमेटी के निर्देश पर गुजरात के जामनगर स्थित रिलायंस फाउंडेशन के एनिमल सेंटर वनतारा भेजा गया था। कोल्हापुर में लोग इसका विरोध कर रहे थे। मामला बॉम्बे हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। 9 सितंबर 2026 को हाई पावर कमेटी ने नांदणी की व्यवस्था का निरीक्षण करने के बाद माधुरी को वापस कोल्हापुर भेजने का आदेश दिया था। कोल्हापुर के नांदणी में माधुरी को 1992 में लाया गया था। तब वह सिर्फ 4 साल की थी। मठ में करीब 700 साल से हाथी पालने की परंपरा रही है और माधुरी 32 साल तक यहीं रही।

भारत को तोड़ने वाले यूनाइटेड किंगडम के होंगे 3 टुकड़े!

स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड के नेता आज करेंगे ऐतिहासिक समझौता

लंदन (एजेंसी)। कार्डिफ में रविवार रात हुए एक सीक्रेट राजनीतिक घटनाक्रम ने पूरे यूनाइटेड किंगडम के भविष्य पर बहुत बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। द टेलीग्राफ की एक सनसनीखेज रिपोर्ट के मुताबिक यूके का इतिहास बदलने वाले एक समझौते पर दस्तखत करने के लिए स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड के शीर्ष नेता एक मंच पर जुट रहे हैं। सोमवार को होने वाली इस अभूतपूर्व बैठक में तीनों राष्ट्रों के फर्स्ट मिनिस्टर्स जॉन स्विनी, रून एप आयोवर्थ और मिशेल ओ नील एक संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करेंगे, जिसका सीधा मकसद यूनाइटेड किंगडम को तीन हिस्सों में विभाजित करने और आजादी के लिए नया जनमत संग्रह कराने की राह आसान करना है। द टेलीग्राफ ने बताया है कि स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड के नेता सोमवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए इकट्ठा होंगे जिसका मकसद यूनाइटेड किंगडम को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू करना है।

ब्रिटेन के इतिहास में होगा यह पहला मौका

राजनीतिक पंडितों का मानना है कि ब्रिटेन के इतिहास में यह पहला मौका है जब स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड तीनों ही स्थानों पर एक साथ आजादी का समर्थन करने वाली सरकारें सत्ता में हैं।

3 हिस्सों में बांटने के लिए ऐतिहासिक समझौता

यह बैठक तब हो रही है जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने सांसदों से कहा कि अगर आजादी के पक्ष में स्पष्ट सहमति बनती है तो वह एक और स्कॉटिश जनमत संग्रह की मंजूरी देंगे। यह शिखर सम्मेलन डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के दो दिन बाद होगा जिसमें उन्होंने कहा था कि वह एक संयुक्त आयरलैंड देखना पसंद करेंगे।

शनिवार को डबलिन की यात्रा के दौरान उन्होंने कहा कि उत्तरी आयरलैंड का रिपब्लिक (आयरलैंड गणराज्य) में शामिल होना बहुत अच्छी बात होगी और पूछा यह बुरा कैसे हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने तब हस्तक्षेप किया जब राष्ट्रवादी नेताओं ने प्रधानमंत्री पर दबाव बढ़ा दिया है जिन्होंने इंग्लैंड में सत्ता के विकेंद्रीकरण को अपने एजेंडे के केंद्र में रखा है।

स्कॉटलैंड के फर्स्ट मिनिस्टर जॉन स्विनी ने दावा किया कि मिस्टर बर्नहम इस विचार का सामना कर रहे हैं कि वह यूनाइटेड किंगडम के आखिरी प्रधानमंत्री के तौर पर इतिहास में दर्ज होंगे।

बंगाल में बंद होंगे बिना मान्यता वाले 252 मदरसे

बड़ा निर्णय, 100 अन्य को कारण बताओ नोटिस जारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बिना मान्यता प्राप्त मदरसों के खिलाफ शभेंदु सरकार ने बड़ा ऐक्शन लिया है। इसके तहत राज्य में किए गए सर्वे के बाद सरकार ने पहले चरण में 252 अमान्य (खारिजी) मदरसों को बंद करने का नोटिस जारी किया है, जबकि 100 अन्य मदरसों से इस संबंध में जवाब मांगा गया है। बता दें कि राज्य सरकार ने हाल ही में पश्चिम बंगाल के मदरसों की जांच-पड़ताल का एक बड़ा अभियान शुरू किया था। अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग की तरफ से किए गए इस पहले चरण के सर्वे के बाद कुल 2396 अमान्य मदरसों की पहचान की गई थी।

22 जिलों में कराया गया सर्वे

अमान्य मदरसों के खिलाफ शुभेंदु सरकार की तरफ से कोलकाता समेत राज्य के कुल 22 जिलों में यह विशेष सर्वे कराया गया था। इस सर्वे के दौरान कई महत्वपूर्ण पहलुओं की गहराई से जांच की गई। मान्यता प्राप्त और गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों की सटीक संख्या का पता लगाना।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में शराब माफिया के घर से विदेशी शराब बरामद, पुलिस ने मनोज राय के घर की रेड

हाजीपुर। वैशाली में शराब माफिया के खिलाफ पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। वरीय पुलिस अधीक्षक (SSP) शुभांक मिश्रा के सख्त निर्देश के बाद बेलसर पुलिस ने देर रात कार्रवाई की। इस दौरान कुख्यात शराब कारोबारी मनोज राय के घर से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की गई। SSP शुभांक मिश्रा ने क्राइम मीटिंग में साफ कहा था कि शराब के अवैध कारोबार में शामिल किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे और कहा था कि इसमें कोई ढिलाई नहीं होनी चाहिए। यह मामला वैशाली के बेलसर थाना क्षेत्र के मौना गांव का है। पुलिस को देर रात शराब के अवैध कारोबार की सूचना मिली थी। इसके बाद बेलसर थाना पुलिस ने मौना गांव में छापेमारी की। पुलिस सीधे उस ठिकाने पर पहुंची, जिसके शराब के अवैध कारोबार से जुड़े होने की बात सामने आ रही थी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने शराब माफिया मनोज राय के घर से विदेशी शराब जब्त कर ली। पुलिस के मुताबिक, मनोज राय लंबे समय से शराब के अवैध कारोबार में सक्रिय है। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। बेलसर पुलिस की इस कार्रवाई के बाद शराब के इस नेटवर्क से जुड़े दूसरे लोगों पर भी शिकंजा कसने की तैयारी है। पुलिस यह पता लगा रही है कि बरामद शराब कहां से लाई गई थी और इस धंधे में कौन-कौन लोग शामिल हैं। वैशाली में शराब माफिया के खिलाफ पुलिस का अभियान अब और तेज होता दिख रहा है।

हजारों लीटर देसी शराब से लदी पिकअप पलटी, पुलिस ने गाड़ी समेत खेप जब्त कर जांच शुरू की

हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र में देसी शराब की एक बड़ी खेप पकड़ी गई है। लक्ष्मीनारायणपुर पंचायत के हरपुर जादों स्थित जगदीश चौक के पास देशी शराब से भरी एक पिकअप बेकाबू होकर सड़क पर पलट गई। गाड़ी पलटते ही स्थानीय लोगों ने उसे देखा और तुरंत महुआ थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पिकअप को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने गाड़ी में रखी हजारों लीटर देसी शराब भी बरामद की। इस घटना के बाद इलाके में इतनी बड़ी खेप को लेकर चर्चा होने लगी। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि इतनी भारी मात्रा में देशी शराब कहां से लाई जा रही थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। बरामद शराब के आधार पर तस्करी से जुड़े नेटवर्क की जानकारी इकट्ठा की जा रही है। पुलिस ने पिकअप और शराब जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गाड़ी के ड्राइवर और तस्करी से जुड़े दूसरे लोगों की पहचान करने के लिए भी पुलिस कार्रवाई कर रही है। इतनी भारी मात्रा में शराब मिलने से क्षेत्र में सक्रिय शराब तस्करी के नेटवर्क पर सवाल खड़े हो गए हैं।

भाजपा नेता के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग, 10 खोखे बरामद; बाइक सवार दो बदमाशों ने चलाईं गोलियां

हाजीपुर। हाजीपुर के सदर थाना क्षेत्र के अदलपुर मोहल्ले में बेखौफ अपराधियों ने भाजपा नेता और हिंदू पुत्र संगठन के संरक्षक राजीव ब्रह्मर्षि के घर को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बाइक सवार दो अपराधियों ने उनके घर के बाहर कई राउंड गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गए। अचानक हुई गोलीबारी से इलाके में अफरातफरी मच गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। गोलीबारी की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। सूचना मिलने पर सदर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके का मुआयना किया और जांच के दौरान 10 खाली खोखे बरामद किए हैं। इतनी संख्या में खोखे मिलने के बाद पुलिस घटना को गंभीरता से लेते हुए बदमाशों की पहचान और फायरिंग के कारणों की जांच में जुट गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक मोटरसाइकिल पर सवार दो अपराधी राजीव ब्रह्मर्षि के घर के पास पहुंचे थे। दोनों ने घर को निशाना बनाकर गोलियां चलाईं। फायरिंग के बाद दोनों बदमाश बाइक से फरार हो गए। घटना के दौरान आसपास के लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। अचानक गोलियों की आवाज सुनकर लोग अपने घरों से बाहर निकले, लेकिन तब तक अपराधी वहां से निकल चुके थे। घटना के बाद पुलिस ने आसपास के इलाके में भी जानकारी जुटाई और बदमाशों के भागने की दिशा का पता लगाने की कोशिश की। अपराधियों की पहचान के लिए पुलिस अब तकनीकी जांच का सहारा ले रही है। पुलिस टीम राजीव ब्रह्मर्षि के घर के बाहर लगे CCTV कैमरों के साथ-साथ आसपास के मकानों और दुकानों में लगे कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। पुलिस को उम्मीद है कि CCTV फुटेज से बाइक सवार दोनों अपराधियों की पहचान करने और उनके आने-जाने के रास्ते का पता लगाने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा पुलिस घटना के समय इलाके में मौजूद लोगों से भी पूछताछ कर रही है।

साइबर फ्रॉड में अवैध सिम बिक्री, एयरटेल डिस्ट्रीब्यूटर गिरफ्तार, 10 ठिकानों पर छापेमारी

हाजीपुर। केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने साइबर अपराधों में इस्तेमाल हो रहे अवैध सिम बॉक्स चलाने के मामले में कार्रवाई की है। CBI ने बिहार के वैशाली जिले, झारखंड के जामताड़ा और ओडिशा के एक जिले में कुल 10 जगहों पर छापेमारी की। इस दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। छापेमारी में मोबाइल फोन, लैपटॉप और बड़ी संख्या में सिम कार्ड जैसे कई डिजिटल उपकरण मिले हैं। CBI की जांच में पता चला कि महुआ इलाके का एक एयरटेल डिस्ट्रीब्यूटर बड़ी संख्या में सिम कार्ड गैरकानूनी तरीके से बेच रहा था। इन सिम कार्ड का इस्तेमाल अवैध सिम बॉक्स चलाने में किया जा रहा था। CBI ने बिहार के सुपौल जिले में सामने आए एक अवैध सिम बॉक्स चलाने के मामले की जांच शुरू की थी। बाद में बिहार सरकार के कहने पर यह मामला सीबीआई को दे दिया गया। जांच के दौरान उस घर से 1300 से ज्यादा सिम कार्ड मिले, जहां सिम बॉक्स चलाया जा रहा था। सीबीआई ने इन सिम कार्ड से जुड़े डेटा की जांच की। इससे पता चला कि इस सिम बॉक्स का संबंध देशभर में साइबर अपराध के 73 मामलों से था। इनमें 'डिजिटल अरेस्ट' के मामले भी शामिल हैं। 1300 से ज्यादा सिम कार्ड के डेटा की गहराई से जांच करने पर कुछ संदिग्ध बिक्री केंद्र पहचाने गए। जांच में यह भी पता चला कि बड़ी संख्या में सिम कार्ड बिहार और ओडिशा से जारी हुए थे। वैशाली जिले के एक एयरटेल डिस्ट्रीब्यूटर ने 700 से ज्यादा सिम कार्ड जारी किए थे। इस डिस्ट्रीब्यूटर ने वैशाली जिले में सिम कार्ड बेचने के लिए एक दर्जन से ज्यादा पॉइंट ऑफ सेल (POS) बनाए थे। कई ग्राहकों ने बताया कि उन्होंने अपने नाम से सिम कार्ड जारी कराने की कोई जानकारी नहीं दी थी। कुछ मामलों में ग्राहकों ने यह भी बताया कि उन्होंने केवाईसी के लिए आधार बायोमेट्रिक देते समय एक से ज्यादा बार बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन की अनुमति दी थी। सीबीआई ने बताया कि यह मामला बिहार सरकार द्वारा जांच के लिए सौंपे जाने के बाद दर्ज किया गया है।

बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे केंद्र सरकार : तेजस्वी

तेजस्वी बोले- बिहार में डबल इंजन की सरकार फेल, केंद्रीय मंत्री-सांसद नहीं ला सके विशेष पैकेज

एजेंसी, पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार में आई बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की है। उन्होंने इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि बिहार को विशेष पैकेज दिया जाना चाहिए। तेजस्वी यादव ने कहा, "2007 में जब बाढ़ आई थी, तब केंद्र में UPA की सरकार थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी बिहार आए थे। बाढ़ राहत के लिए आर्थिक मदद भी दी गई थी। लालू प्रसाद यादव उन्हें बिहार लेकर आए थे।" नेता प्रतिपक्ष ने कहा, "बिहार में बाढ़ की स्थिति भयावह है, लेकिन डबल इंजन की सरकार राहत पहुंचाने में विफल है। बिहार में डबल इंजन की सरकार है, लेकिन दोनों इंजनों में आग लगी हुई है। राज्य सरकार का खजाना खाली हो चुका है और इमरजेंसी फंड से पैसे

निकाले जा रहे हैं।"

बिहार को केंद्र से मदद नहीं मिल रहीः बिहार को विशेष मदद देने की मांग को लेकर तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। तेजस्वी ने गुजरात का उदाहरण देते हुए कहा, 'क्या प्रधानमंत्री बिहार को देश से अलग समझते हैं। बिहार में इतनी बड़ी आपदा के बावजूद केंद्र की ओर से अपेक्षित मदद नहीं मिल रही है। बिहार में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए हमने केंद्र सरकार से इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने और विशेष पैकेज देने की मांग की है। इसको लेकर प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखा है, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है।

मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और सांसदों का कोई काम नहींः मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री कोई काम के नहीं हैं। बिहार के सांसद और केंद्रीय मंत्री कोई काम का नहीं है। बिहार के

30 से ज्यादा सांसद, 7 केंद्रीय मंत्री, फिर भी मदद नहीं मिली- तेजस्वी यादवः केंद्रीय मंत्रियों पर तंज कसते हुए तेजस्वी ने कहा, 'बिहार के 30 से ज्यादा सांसद हैं और 7 केंद्रीय मंत्री हैं। इनमें एक कपड़ा वाले मंत्री हैं और एक भेड़ चलाने वाले मंत्री हैं। किसी में इतनी हैसियत नहीं है कि बिहार के लिए सहायता लेकर आएं।'

पंचायत चुनाव समय से करने को लेकर पटना में बैठक

एजेंसी, पटना

पटना में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संघर्ष समिति ने 2026 में समय पर पंचायत चुनाव कराने की मांग उठाई है। समिति के अध्यक्ष जगन्नाथ चौपाल के नेतृत्व में आईएमए हॉल में हुई बैठक में बिहार सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग से संवैधानिक नियमों के अनुसार चुनाव कराने की मांग की गई। समिति का कहना है कि पंचायती राज संस्थाओं का कार्यकाल पांच साल का होता है और अनुच्छेद 243 के प्रावधानों का पालन होना चाहिए। समिति ने 2011 के आधार पर पंचायत परिसीमन कराने पर भी सवाल उठाया।

परिसीमन को फिलहाल स्थगित करने की मांगः उसका कहना है कि 2026-27 की जनगणना हो रही है और सरकार के गजट में 31 मार्च 2027 तक परिसीमन नहीं करने का प्रावधान है। ऐसे में परिसीमन को फिलहाल स्थगित किया जाए।

समिति ने कहा कि नए पंचायत बनने से पंचायत भवन, स्कूल, सचिव, कर्मचारी, कार्यपालक सहायक, जेई और सफाईकर्मी समेत कई स्तर पर अतिरिक्त खर्च बढ़ेगा। सरकार को पहले बजट, जमीन, भवन और कर्मचारियों की व्यवस्था का रोडमैप तैयार करना चाहिए। समिति ने मांग की कि 2026 में पुरानी सीमा के आधार पर पंचायत चुनाव कराया जाए। इसके बाद 2026-27 की जनगणना का आंकड़ा आने पर वैज्ञानिक तरीके से परिसीमन किया जाए। समिति के अनुसार इससे सरकार को नए पंचायतों की संख्या, भवन, बजट और कर्मचारियों की जरूरत तय करने का पर्याप्त समय मिलेगा।

दो पक्षों के बीच हुई मारपीट एक-दूसरे पर फेंके पत्थर

गोलीबारी भी हुई, गांव में तनाव के बाद पहुंची पुलिस

एजेंसी, पटना

पटना के फतुहा में शनिवार को दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। गोलीबारी भी हो गई। दोनों पक्षों के बीच पुराना विवाद चल रहा है। मारपीट के दौरान दोनों तरफ से पथराव भी हुआ, हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

इस घटना की सूचना मिलते ही फतुहा थाने की पुलिस तुरंत हरकत में आई और पुलिस बल के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हो गई। हालांकि, जब तक पुलिस बल मौके पर पहुंची, तब तक दोनों पक्षों के बीच का मामला शांत हो चुका था। पुलिस ने तुरंत हालात को नियंत्रित किया और इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। मामला फतुहा थाने के मकसूदपुर गांव का है।

झड़प, पथराव और गोलीबारी की घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। थानाध्यक्ष श्रीमंत कुमार सुमन ने अपनी प्रतिक्रिया दी और जानकारी देते हुए बताया कि वे खुद पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर मौजूद थे। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की हर पहलू से गहनता से जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

सिगोड़ी थाना में कैदी ने फांसी लगाई

एजेंसी, पटना

पटना के पालीगंज अनुमंडल के सागौड़ी थाने में कैदी ने बाथरूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गया के चाकन गांव निवासी 30 वर्षीय अजय मांझी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। पटना एसएसपी कार्तिकेय कुमार शर्मा, पटना पश्चिम सिटी एसपी संकेत कुमार और पालीगंज अनुमंडल के सभी पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने अजय मांझी के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स भेजा।

जानकारी के अनुसार, बीती रात सिगोरी थाने को ईंट भट्ठा मालिक शरद यादव से एक आवेदन मिला था। इसमें बताया गया था कि पैसे को लेकर अजय मांझी और उसके साथियों के बीच मारपीट हुई थी। इसके बाद पुलिस अजय मांझी और उसके दो अन्य साथियों को पूछताछ के लिए थाने लाई थी। तीनों को अन्य

कैदियों के साथ चौकीदार रूम में रखा गया था। सुबह करीब 4 बजे चौकीदार ने पुलिस को जानकारी दी कि अजय मांझी ने बाथरूम में गमछे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। उसे तुरंत पटना एम्स ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस बोली- पैसे को लेकर था विवादः इस पूरे मामले पर पटना पश्चिम सिटी एसपी संकेत कुमार ने बताया कि ईंट भट्ठा मालिक शरद यादव और अजय मांझी के बीच पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद में शरद यादव ने थाने में आवेदन दिया था। परिवार के लोगों ने ईंट भट्ठा मालिक पर मारपीट कर हत्या का आरोप भी लगाया है। सिटी एसपी ने बताया कि जब सभी कैदी हाजत में सो रहे थे, तभी अजय मांझी ने बाथरूम में जाकर आत्महत्या कर ली। फिलहाल इस घटना को लेकर मृतक के परिवार से भी बयान लिए गए हैं। पुलिस मामले

परिवार बोला- ईंट भट्ठा मालिक ने मारपीट कर पुलिस के हवाले किया, पैसों का था विवाद

की जांच कर रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम छापेमारी कर रही है।

परिजन ने लगाए आरोपः मृतक अजय मांझी की मां नागिया देवी ने बताया कि कल ईंट भट्ठा के मालिक के द्वारा मेरे बेटे को पैसे के लिए बुलाया था और इसी दौरान मारपीट भी हुई। मारपीट कर मेरे बेटे को पुलिस के हवाले किया। सुबह जानकारी मिली कि मेरे बेटे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया, लेकिन ऐसा वह नहीं कर सकता है ईंट भट्ठा मालिक के द्वारा ही उसकी हत्या की गई है। परिवार का कहना है कि मृतक युवक ने पत्नी से कहा था कि पुलिस उसे छोड़ने के 50 हजार रुपए मांग रही।

खान सर पर कई लड़कियों के शोषण का आरोप, निखिल कोचिंग के डायरेक्टर बोले- 7-8 लड़कियां मेरे संपर्क में

एजेंसी, पटना

खान ग्लोबल स्टडीज के डायरेक्टर और शिक्षक फैजल खान उर्फ खान सर फिर विवादों में हैं। निखिल कोचिंग के डायरेक्टर निखिल कुमार ने कहा कि खान सर ने कई लड़कियों के साथ गलत किया है। ऐसी 7-8 लड़कियां मेरे संपर्क में हैं, जो इंसाफ चाहती हैं। मैं उनकी लड़ाई लड़ूंगा। निखिल कुमार ने शनिवार को पटना के एक होटल में मीडिया से बात करते हुए खान सर पर धमकी देने और उनकी रेकी कराने का दावा करते हुए पटना SSP से सुरक्षा की मांग की है।

खान सर मेरी रेकी करा रहेः करीब 1 महीने पहले उत्तर प्रदेश की एक लड़की ने खान सर के खिलाफ पीरबहोर थाने में सुरक्षा को लेकर आवेदन दिया था। उसका कहना था कि खान सर के कई राज वो जानती

है। इसलिए उसे जान का खतरा है। निखिल कुमार ने उस लड़की का सपोर्ट किया। निखिल का दावा है कि इसके बाद खान सर के गुर्गे उन्हें धमकी दे रहे हैं।

निखिल का दावा है कि खान सर कई लड़कियों के साथ शोषण कर चुके हैं। निखिल ने कहा, सात से आठ लड़कियां हैं जो खान सर से प्रताड़ित हैं। मैं जल्द इसका खुलासा करने जा रहा हूं। मेरे पास पक्के सबूत हैं। उन्होंने कहा, यूपी की लड़की के सामने आने के बाद कई लड़कियों ने हिम्मत दिखाई है। हालांकि अभी भी कई लड़कियां डर से खामोश हैं।

निखिल कुमार ने कहा, मार्केट में खान सर के साथ की मेरी फोटो दिखाई जा रही है। कहा जा रहा है कि मैं बिक चुका हूं, लेकिन ऐसा नहीं है। निखिल कुमार ने कहा, 'खान सर के बारे में सच्चाई सामने लाने की कोशिश करने पर मुझे कथित तौर पर पैसे का ऑफर दिया गया। इनकार करने के बाद मेरी एक्टिविटी पर नजर रखी जा रही है।' निखिल कुमार ने शिकायत में आरोप लगाया है कि 25 जून 2026 से शाहगंज स्थित वर्तमान निखिल कोचिंग के आसपास उनकी रेकी कराई जा रही है। उन्होंने पुलिस से मामले की जांच कराने और अपनी जान-माल की सुरक्षा की मांग की है। निखिल कुमार ने SSP को दी शिकायत में कहा, 'मैंने 2014 में मुसल्लहपुर हाट स्थित विश्वनाथ मार्केट में निखिल कोचिंग सेंटर शुरू की थी। इसी दौरान फैजल खान को वहां पढ़ाने की जिम्मेदारी दी गई थी। खान सर ने 2019 में साजिश और विश्वासघात के जरिए कोचिंग की संपत्ति पर कब्जा कर लिया। दावा है कि इस संबंध में उनके पास पुराने दस्तावेज मौजूद हैं। खान सर फिलहाल पटना में नहीं है। टीम का कहना है कि ये सब उनकी इमेज को नुकसान पहुंचाने की कोशिश है। टीम ने कहा, 'खान सर अंडरवर्ल्ड के DON नहीं हैं, जिनसे सभी को खतरा है। क्या खान सर सभी को धमकी देते चल रहे हैं। जब से रौशन आनंद और खान सर के बीच विवाद हुआ, तब से ही छवि बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। कोचिंग हड़पने के आरोप पर टीम ने कहा, हमारी कोचिंग से अब तक 50 शिक्षक पढ़ा कर छोड़ चुके हैं। कई ने अपनी कोचिंग खोल ली, तो हम क्या कहेंगे कि हमारी कोचिंग हड़प ली। हर कोई जीवन में आगे बढ़ना चाहता है।'

नौकरी के बदले 2.50 लाख मांगने का आरोप

एजेंसी, पटना

पटना AIIMS में आउटसोर्सिंग के जरिए नौकरी दिलाने के नाम पर 2.50 लाख रुपए रिश्वत मांगने का आरोप लगा है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि नौकरी के लिए सांसद की ओर से जारी अनुशंसा पत्र और आवेदन फाड़ दिया गया। विरोध करने पर सार्वजनिक जगह पर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए गाली-गलौज और मारपीट भी की गई। मामले की लिखित शिकायत फुलवारी शरीफ थाने में दी गई है। शिकायत की प्रतिलिपि अनुसूचित जाति/जनजाति थाना, पटना समेत पुलिस के अन्य वरीय अधिकारियों को भी दी गई है। पुलिस ने शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए जांच शुरू कर दी है।

माली की नौकरी के लिए प्रयासरत थे शिकायतकर्ताः

शिकायतकर्ता रतन कुमार रजक के अनुसार, वह AIIMS पटना में आउटसोर्सिंग एजेंसी 'संपूर्णा कंपनी' के माध्यम से गार्डनर (माली) के पद पर नियोजन के लिए प्रयासरत थे। शिकायत में बताया गया है कि एक सांसद की ओर से AIIMS पटना के निदेशक के नाम 19 अगस्त 2026 को अनुशंसा पत्र भी जारी किया गया था। शिकायतकर्ता के मुताबिक, 11 सितंबर की शाम करीब 6:30 बजे वह नियोजन और सांसद की अनुशंसा से संबंधित पत्र के सिलसिले में AIIMS पहुंचे थे।

पटना में 478 संपत्तिधारकों से 31.04 लाख वसूले गए

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम की ओर से विभिन्न अंचलों में प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन और असेसमेंट की कार्रवाई की गई। इस दौरान 478 संपत्तिधारकों से कुल 31.04 लाख रुपये प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली हुई। साथ ही 116 नई संपत्तियों का टैक्स असेसमेंट किया गया। निगम के अनुसार, पाटलिपुत्र अंचल में 136 संपत्तिधारकों से 8.46 लाख रुपए, कंकड़बाग में 91 संपत्तियों से 4.05 लाख रुपए, नूतन राजधानी में 79 संपत्तियों से 11 लाख रुपए, अजीमाबाद में 78 संपत्तियों से 2.69 लाख, बांकीपुर में 62 संपत्तियों से 4 लाख रुपए और पटना सिटी में 32 संपत्तियों से 77 हजार रुपए संपत्ति कर प्राप्त की गई।

अभियान के दौरान नूतन राजधानी अंचल में सबसे अधिक 32 नई संपत्तियों का कर निर्धारण किया गया। इसके अलावा कंकड़बाग में 26, पाटलिपुत्र में 24,

अजीमाबाद में 21, बांकीपुर में सात और पटना सिटी में छह संपत्तियों का टैक्स असेसमेंट हुआ। इस दौरान 29 संपत्तियों के निर्धारित टैक्स का पुनर्मूल्यांकन भी किया गया। स्थल निरीक्षण में पांच संपत्तियों की वास्तविक स्थिति और पहले से दर्ज टैक्स डिटेल में अंतर पाया गया। इसके बाद पेनाल्टी के साथ उनका दोबारा टैक्स असेसमेंट किया गया। नगर निगम ने आम लोगों से अपील की है कि मूल कर निर्धारण के बाद यदि उनकी संपत्ति में निर्माण, विस्तार या किसी अन्य प्रकार का बदलाव हुआ है, तो वे स्वयं पुनर्मूल्यांकन कराकर ऑनलाइन कर विवरण को अपडेट कराएं।

'राष्ट्रीय चेतना की अभिव्यक्ति' बुक का लोकार्पण

एजेंसी, पटना

बिहार विधान परिषद् सभागार में परिषद् में सत्तारूढ़ दल के उपनेता स्तंभकार प्रो. राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता की बुक 'राष्ट्रीय चेतना की अभिव्यक्ति' का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने पुस्तक को राष्ट्रीय चेतना, जनजागरण और वैचारिक विमर्श की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण बताया। वक्ताओं ने कहा कि यह पुस्तक पाठकों को राष्ट्रहित, राष्ट्रप्रेम, स्वाभिमान और राष्ट्र जागरण की भावना से जोड़ने का कार्य करती है। बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा, उन्हें राष्ट्रवादी धारा से जोड़ने में राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता की भी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। उनकी लिखित पुस्तक 'राष्ट्रीय चेतना की अभिव्यक्ति' भी पाठकों को राष्ट्रवादी विचारधारा की ओर आकर्षित करेगी। यह पुस्तक राष्ट्र जागरण का महत्त्वपूर्ण कार्य करेगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पटना साहिब के सांसद रविशंकर प्रसाद ने पुस्तक की भाषा-शैली की सराहना करते हुए कहा कि कॉमर्स के प्राध्यापक प्रो. राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने अत्यंत सहज और सरल हिंदी भाषा में इस पुस्तक की रचना की है, जिससे गंभीर विषय भी सामान्य पाठकों के लिए सुगम हो गए हैं। वहीं, कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि पुस्तक में अखंड भारत की अवधारणा सहित अनेक महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा

की गई है और यह पुस्तक युवाओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। लेखक ने भारत विभाजन की पीड़ा, राजनीति में आए ह्रास तथा सत्ता प्राप्ति के लिए राजनेताओं द्वारा किए गए असंवैधानिक कार्यों जैसे विषयों पर गंभीरता से लिखा है। उन्होंने पंजाब में प्रधानमंत्री की गाड़ी रोके जाने के प्रसंग से जुड़े आलेख का भी उल्लेख किया।

पुस्तक में कुल 36 आलेख हैंः महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के मीडिया अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. अरुण कुमार भगत ने कहा कि पुस्तक में कुल 36 आलेख हैं, जिन्हें मुख्य रूप से तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है। प्रथम भाग में समकालीन मुद्दों, दूसरे में वैचारिक विषयों तथा तीसरे भाग में विमर्श आधारित आलेखों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी आलेखों का मूल तत्त्व राष्ट्रीय चेतना है। राष्ट्रीय चेतना का अर्थ

राष्ट्रप्रेम, स्वाभिमान-राष्ट्र जागरण की भावना को जोड़ेगी किताब, सभापति अवधेश नारायण सिंह हुए शामिल

राष्ट्रहित के प्रति बोध, राष्ट्रप्रेम, स्वाभिमान और राष्ट्र जागरण से है और यही तत्त्व पुस्तक के प्राण हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तक को पढ़ने के बाद स्पष्ट होता है कि लेखक के रोम-रोम में राष्ट्रीय चेतना बसी हुई है। उन्होंने पटना की हुंकार रैली और उससे जुड़े आलेख को विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण बताया। ऐसे आलेख पाठकों को वैचारिक रूप से मजबूती प्रदान करते हैं। वरिष्ठ लेखक राकेश प्रवीर ने कहा कि पुस्तक में तर्क, विश्लेषण तथा देश और जनता के प्रति चिंता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। पुस्तक के विषय समाज, राज्य और देश से जुड़े हुए हैं। इसके आलेख पाठकों में जिज्ञासा उत्पन्न करने के साथ-साथ कई बार समाज को झकझोरने का भी काम करते हैं। पुस्तक के लेखक प्रो. राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने पुस्तक की रचना-प्रक्रिया और इसके पीछे की वैचारिक पृष्ठभूमि पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पुस्तक में समकालीन राष्ट्रीय और सामाजिक विषयों को तथ्य एवं तर्क के साथ प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

अज्ञात वाहन ने दादी-पोते को कुचला, दोनों की मौके पर मौत

बीएनएम@ विजय कुमार

» सेमर चौक पर हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच-28 किया जाम, टायर जलाकर प्रदर्शन; मुआवजा व चालक की गिरफ्तारी की मांग

रामगढ़वा। रामगढ़वा थाना क्षेत्र के सेमर चौक के समीप शनिवार को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने दादी और पांच वर्षीय पोते को कुचल दिया। हादसे में दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सिसवनिया निवासी पांच वर्षीय अमित कुमार, पिता सोनू कुमार राम, और उसकी 45 वर्षीया दादी रामझरी देवी, पति किसनाथ राम के रूप में हुई है। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में मातम पसर गया। बताया जाता है कि अमित अपनी दादी के साथ पिता को कुछ सामान पहुंचाने जा रहा था। इसी दौरान सेमर चौक के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने दिल्ली-काठमांडू को जोड़ने वाले एनएच-28 पर टायर जलाकर सड़क जाम कर दिया। ग्रामीणों ने फरार चालक की गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की। सड़क जाम होने से आवागमन प्रभावित रहा और मौके पर अफरातफरी की स्थिति बन गई। सूचना पर पहुंचे रामगढ़वा बीडीओ राकेश कुमार सिंह और स्थानीय पुलिस ने लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान में जुटी है। एक ही हादसे में परिवार की दो पीढ़ियों की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पिता सोनू कुमार ने अपनी मां और पांच वर्षीय बेटे को एक साथ खो दिया। घटना के बाद पूरे सिसवनिया गांव में शोक की लहर है।

मंत्रोच्चार, यज्ञ और भजनों से सजा आर्य समाज का शताब्दी समारोह

वैदिक विद्वानों ने संस्कार, चरित्र और राष्ट्र निर्माण पर दिया जोर, भजनों से भक्तिमय हुआ परिसर

बीएनएम@ मोतिहारी

वैदिक मंत्रों की गूंज, हवन कुंड में पड़ती आहुतियां और भजनों की मधुर स्वर लहरियां। रविवार को आर्य समाज मंदिर परिसर का माहौल आध्यात्मिक रंग में रंगा नजर आया। आर्य समाज मोतिहारी के शताब्दी सह यज्ञशाला उद्घाटन समारोह के तीसरे दिन प्रातःकालीन सत्र में महायज्ञ का आयोजन हुआ। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। बिहार राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में 11 से 15 सितंबर तक चल रहे पांच दिवसीय समारोह में दिल्ली-गाजियाबाद से पहुंचे वैदिक विद्वान डॉ. ओमव्रत शास्त्री के ब्रह्मत्व में महायज्ञ संपन्न कराया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आर्य समाज की ब्रह्मचारिणियों कुमारी नैन्सी आर्य, शालिनी आर्य, आराध्या आर्य, अपर्णा आर्य और राजिता आर्य ने वैदिक मंत्रोच्चार व भजनों से की। डॉ. ओमव्रत शास्त्री ने कहा कि यज्ञ केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि जीवन को श्रेष्ठ और संस्कारित बनाने की साधना है। वेद के विचारों को जीवन और आचरण में उतारना ही वास्तविक वैदिक जीवन है। उन्होंने सत्य, संयम, स्वाध्याय और सद्व्यवहार को जीवन की उन्नति का आधार बताते हुए परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा दी। नई पीढ़ी को आधुनिक शिक्षा के साथ वेद, संस्कार, चरित्र और राष्ट्रभक्ति से जोड़ने पर भी जोर दिया। सहारनपुर से पहुंचे वैदिक विद्वान व भजनोपदेशक प्रताप वैदिक और बहन संगीता आर्या ने भजनों की प्रस्तुति से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु भजनों पर भाव-विभोर नजर आए। समारोह में जिले के विभिन्न आर्य समाजों के प्रतिनिधियों के साथ नेपाल से भी श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महायज्ञ की पूर्णाहुति और शांति पाठ के बाद प्रसाद वितरण किया गया। समारोह के तहत प्रतिदिन तीन सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। सुबह महायज्ञ, दोपहर में सामाजिक एवं राष्ट्रीय विषयों पर सम्मेलन और शाम को वेदोपदेश व राष्ट्र निर्माण से जुड़े कार्यक्रम हो रहे हैं। 15 सितंबर को भव्य पूर्णाहुति के साथ समारोह का समापन होगा। इसी दिन आर्य समाज मोतिहारी की नवनिर्मित यज्ञशाला का विधिवत उद्घाटन किया जाएगा।

आइआइटी खड़गपुर के छात्र ब्रजेश का शोध-पत्र अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में होगा प्रस्तुत

» 15वें एशियाई आर्थिक विकास सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति के लिए शोध-पत्र चयनित

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले के मंगलापुर गांव के मूल निवासी और वर्तमान में श्रीकृष्ण नगर, मोतिहारी निवासी ब्रजेश राज ने अंतरराष्ट्रीय अकादमिक मंच पर जिले का नाम रोशन किया है। आइआइटी खड़गपुर में अंतरराष्ट्रीय कानून में एलएलएम द्वितीय वर्ष के छात्र ब्रजेश राज के शोध-पत्र का चयन 15वें एशियाई आर्थिक विकास अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति के लिए हुआ है। वह 23 सितंबर को थाईलैंड के चियांग माई विश्वविद्यालय में आयोजित सम्मेलन में अपना शोध प्रस्तुत करेंगे। ब्रजेश राज, राजेश सिंह के पुत्र हैं। उनके शोध-पत्र का विषय 'सुरक्षा और संरक्षणवाद के बीच धुंधली होती सीमा : एशियाई व्यापार व्यवस्था के विखंडन का आलोचनात्मक अध्ययन' है। शोध में एशियाई व्यापार व्यवस्था में सुरक्षा, संरक्षणवाद और बढ़ते व्यापारिक विखंडन के बीच बदलते संबंधों का विश्लेषण किया गया है। साथ ही वैश्विक आर्थिक एवं व्यापारिक परिस्थितियों में हो रहे बदलाव के बीच एशियाई व्यापार व्यवस्था के सामने उभर रही चुनौतियों का भी अध्ययन किया गया है। सम्मेलन आयोजन समिति के अनुसार इस वर्ष बड़ी संख्या में शोध-पत्र प्राप्त हुए थे। सभी शोध-पत्रों का विशेषज्ञों की गुप्त दोहरी समीक्षा प्रक्रिया के तहत मूल्यांकन किया गया। इस कठोर चयन प्रक्रिया के बाद ब्रजेश राज के शोध-पत्र को मौखिक प्रस्तुति के लिए स्वीकृति मिली। अंतरराष्ट्रीय अकादमिक मंच पर अपने शोध को प्रस्तुत करने का अवसर मिलने से ब्रजेश के परिवार और शुभचिंतकों में खुशी है। उनकी इस उपलब्धि को मोतिहारी सहित पूरे पूर्वी चंपारण के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है।

अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू करे सरकार : ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन

AILU के छठे राज्य सम्मेलन में कई प्रस्ताव पारित, 41 सदस्यीय राज्य काउंसिल का सर्वसम्मति से चुनाव

बीएनएम@ मोतिहारी

ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन (AILU) का दो दिवसीय छठा राज्य सम्मेलन रविवार को संपन्न हुआ। सम्मेलन में बिहार के विभिन्न जिलों से पहुंचे अधिवक्ताओं और प्रतिनिधियों ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता, अधिवक्ताओं की सुरक्षा व अधिकार, आम लोगों को सस्ता और सुलभ न्याय तथा संगठन को मजबूत करने समेत कई मुद्दों पर मंथन किया। इस दौरान अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू करने सहित कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। सम्मेलन में सरकार से अधिवक्ताओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम को अविलंब लागू करने की मांग की गई। वक्ताओं ने कहा कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा से किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। मांग पूरी नहीं होने पर संगठन की ओर से व्यापक आंदोलन की चेतावनी भी दी गई। सांगठनिक सत्र में 41 सदस्यीय राज्य काउंसिल का सर्वसम्मति से चुनाव हुआ। शिवजी महतो को अध्यक्ष और विजेन्द्र कुमार सिंह को सचिव चुना गया। अरुण कुमार सिंह एवं सत्येन्द्र कुमार मिश्र संयुक्त सचिव बनाए गए। रामकृष्ण सिंह एवं आशुतोष मिश्रा राज्य काउंसिल के सदस्य चुने गए। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का प्रतिनिधियों ने अभिनंदन किया। वक्ताओं ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और स्वायत्तता की रक्षा लोकतंत्र तथा संविधान की रक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण सवाल है। गरीब, कमजोर और वंचित लोगों को सस्ता, सुलभ और निष्पक्ष न्याय उपलब्ध कराने में अधिवक्ता समुदाय की अहम भूमिका है। जिला विधिज्ञ संघ, मोतिहारी के महासचिव राजीव कुमार द्विवेदी ने प्रतिनिधियों और अतिथियों का अभिनंदन किया। स्वागताध्यक्ष सत्येंद्र कुमार मिश्रा ने विभिन्न जिलों से पहुंचे प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए सम्मेलन की सफलता में सहयोग करने वालों के प्रति आभार जताया। समापन भाषण में अनिल कुमार चौहान ने कहा कि सम्मेलन में पारित प्रस्तावों और लिए गए निर्णयों को धरातल पर उतारना संगठन की प्राथमिकता होगी। उन्होंने अधिवक्ताओं से एकजुट होकर अपने अधिकारों, न्यायपालिका की स्वतंत्रता तथा संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। सम्मेलन का समापन अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू कराने, अधिवक्ताओं की सुरक्षा एवं सम्मान की रक्षा, न्यायपालिका की स्वायत्तता बनाए रखने, आम जनता को सस्ता-सुलभ न्याय दिलाने और संगठन को मजबूत करने के संकल्प के साथ हुआ।

फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. अमरेश महर्षि सम्मानित

बीएनएम@ मोतिहारी

फिजियोथैरेपी के क्षेत्र में 25 वर्षों से उत्कृष्ट एवं निरंतर सेवा देने वाले मोतिहारी के प्रख्यात फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. अमरेश महर्षि को रविवार को सम्मानित किया गया। भूमिहार ब्राह्मण एकता मंच फाउंडेशन की जिला इकाई के पदाधिकारियों ने भवानीपुर जिरात स्थित उनके आवास पर पहुंचकर अंगवस्त्र, माला एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। जिला अध्यक्ष एवं अधिवक्ता आलोक चन्द्र के नेतृत्व में आयोजित सम्मान समारोह में सैनिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सह पूर्व सैनिक विनोद कुमार तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी निखिल सिंह, जिला लेखपाल अभय ठाकुर, बंजरिया प्रखंड अध्यक्ष निरंजन कुमार सिंह उर्फ बिट्टू एवं क्रिकेट कोच वेद प्रकाश मौजूद रहे।

पटना में भी मिल चुका है राज्यस्तरीय सम्मान– इससे पूर्व पटना में आयोजित एक समारोह में बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने डॉ. अमरेश महर्षि को फिजियोथैरेपी के क्षेत्र में बेहतर सेवाओं के लिए सम्मानित किया था। सदर अस्पताल चौक स्थित महर्षि रिहेब होम के संचालक डॉ. महर्षि लंबे समय से दर्द, लकवा एवं अन्य गंभीर समस्याओं से पीड़ित मरीजों को फिजियोथैरेपी के माध्यम से राहत पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

उनके सम्मान पर बिहार आईएमआई अध्यक्ष डॉ. आशुतोष शरण, डॉ. राकेश कुमार, जिला आईएमआई अध्यक्ष डॉ. टीपी सिंह, डॉ. सीबी सिंह, डॉ. आरकेपी शाही, डॉ. एसएन सिंह, डॉ. गौतम भारद्वाज, डॉ. सिद्धार्थ, डॉ. धीरज शर्मा, चांदनी सिंह, डॉ. प्रभात प्रकाश, डॉ. नीरज कुमार एवं डॉ. एमके मिश्रा सहित कई चिकित्सकों ने प्रसन्नता व्यक्त की। भूमिहार ब्राह्मण एकता मंच फाउंडेशन के पदाधिकारियों एवं शहरवासियों ने डॉ. महर्षि के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पचपकड़ी में विहिप का 62वां स्थापना दिवस समारोह

» लव जिहाद, धर्मांतरण व गोहत्या पर कानून बनाने की मांग, पचपकड़ी कांड में जेल गए लोगों को किया सम्मानित

बीएनएम@ पकड़ीदयाल

पचपकड़ी के अशोका होटल में रविवार को विश्व हिंदू परिषद का 62वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता ढाका प्रखंड अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार सिंह ने की, जबकि संचालन आनंद भारतीय ने किया। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। मुख्य वक्ता विहिप के बिहार-झारखंड विधि प्रकोष्ठ प्रमुख अशोक श्रीवास्तव अधिवक्ता ने संगठन के इतिहास और कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि विहिप धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाला गैर राजनीतिक संगठन है। उन्होंने लव जिहाद, धर्मांतरण और गोहत्या को लेकर चिंता जताते हुए सरकार से इनके खिलाफ कठोर कानून बनाने की मांग की। उन्होंने हिंदुओं की घटती जनसंख्या पर भी चिंता जताई और जनसंख्या संतुलन को लेकर समाज को जागरूक होने की बात कही। विहिप जिलाउपाध्यक्ष देवेंद्र कुमार सिंह और बजरंग दल के विभाग मिलन केंद्र प्रमुख हेमंत कुमार ने ढाका को सीमावर्ती क्षेत्र बताते हुए कथित गो तस्करी और अन्य गतिविधियों पर चिंता जताई। उन्होंने सरकार व प्रशासन से ऐसी गतिविधियों की जांच कर कार्रवाई की मांग की। समारोह में पचपकड़ी कांड में जेल गए हिंदू समुदाय के लोगों को मंच से सम्मानित किया गया। मौके पर राम प्रकाश साह, चंचल कुमार, धीरेन्द्र दूबे, दिनेश साह, नरेश पटेल, विजय आर्या, पंकज यादव, राहुल बाबा, रितेश पंडित, आदित्य, नवल कुमार, रूपेश कुमार, चंदन श्रीवास्तव, अंकेश कुमार, अमन पटेल, राहुल कुमार, रमेश कुमार, नितेश कुमार, अशोक कुमार, मुन्ना कुमार, सूरज कुमार और मुकेश पंडित समेत अन्य मौजूद रहे।

पत्तल बनी कैनवास, उभर आए दुनिया के दिग्गज चेहरे

मधुरेंदर की अनूठी कलाकृति में मोदी से पुतिन तक, पत्तल पर सजा वैश्विक मंच; दिया शांति और संवाद का संदेश

बीएनएम@ मोतिहारी

जिस पत्तल पर कुछ देर बाद भोजन परोसा जाना था, उसी पर उभर आए दुनिया के दिग्गज नेताओं के चेहरे। कहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि तो कहीं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का चेहरा। देखते ही देखते साधारण पत्तल विश्व मंच का कैनवास बन गई। बिहार के चर्चित सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने अपने हुनर से पत्तल को ऐसी अनूठी कलाकृति में बदल दिया, जिसमें कला के साथ शांति और वैश्विक सहयोग का संदेश भी समाहित है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के अवसर पर तैयार इस विशेष कलाकृति में ब्रिक्स देशों के प्रमुख नेताओं के चित्र उकेरे गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा शी जिनपिंग, व्लादिमीर पुतिन, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो समेत कई नेताओं के चेहरे पत्तलों पर बनाए गए हैं। अलग-अलग पत्तलों पर बने चित्रों को त्रिकोणाकार स्वरूप में सजाकर 'भारत में आपका स्वागत है—ब्रिक्स 2026' संदेश भी अंकित किया गया है। मधुरेंद्र के अनुसार, इस कलाकृति को तैयार करने में करीब 15 दिन लगे। पत्तल की असमतल सतह पर चेहरों की बारीकियां उकेरना आसान नहीं था। आंखों, बाल, दाढ़ी और भाव-भंगिमा जैसे सूक्ष्म विवरणों को उभारने में काफी मेहनत करनी पड़ी। मधुरेंद्र कहते हैं कि इस कलाकृति का उद्देश्य केवल विश्व नेताओं के चित्र बनाना नहीं, बल्कि भारत की मेहमाननवाजी के साथ दुनिया को शांति, संवाद और सहयोग का संदेश देना है। विभिन्न देशों के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन वैश्विक चुनौतियों का समाधान आपसी संवाद और सहयोग से ही संभव है। रेत, मिट्टी, कोयले की राख, पीपल के पत्ते, फल और सब्जियों जैसे अलग-अलग माध्यमों पर कला रच चुके मधुरेंद्र का यह प्रयोग साबित करता है कि कला किसी एक कैनवास की मोहताज नहीं होती, जरूरत केवल कल्पना और हुनर की होती है।

शिक्षक दिवस पर एबीसी कोचिंग सेंटर में भव्य समारोह

बीएनएम@ बेतिया

बैरिया। शिक्षक दिवस के अवसर पर रविवार को उत्तरी पटजिरवा पंचायत स्थित परजीरवा चौक के ABC कोचिंग सेंटर में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पत्रकार मखन कुमार ने फीता काटकर किया। कोचिंग सेंटर के डायरेक्टर संदीप कुमार ने अंगवस्त्र देकर मुख्य अतिथि को सम्मानित किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सामाजिक जागरूकता से जुड़ी विभिन्न झांकियां प्रस्तुत कीं। झांकियों के माध्यम से दहेज प्रथा, बाल विवाह, साइबर फ्रॉड, भ्रष्टाचार समेत कई सामाजिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। विद्यार्थियों की प्रस्तुति ने उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों का ध्यान आकर्षित किया और लोगों को सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूक रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर गुड्डु कुमार, चितरंजन कुमार समेत कई सम्मानित नागरिक, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक मौजूद रहे।

उत्पाद थाना अरेराज की बड़ी कार्रवाईः 168 लीटर अवैध चुलाई शराब व स्विफ्ट डिजायर कार के साथ तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@ अरेराज

बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने और अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उत्पाद पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। उत्पाद थाना अरेराज की टीम ने हरसिद्धि थाना क्षेत्र के मटियरिया गांव में छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध चुलाई शराब बरामद करते हुए एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही शराब तस्करी में इस्तेमाल की जा रही मारुति स्विफ्ट डिजायर कार को भी मौके से जब्त कर लिया गया है। मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए उत्पाद थानाध्यक्ष सह निरीक्षक नितेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि हरसिद्धि थाना क्षेत्र के मटियरिया गांव के समीप एक कार के माध्यम से अवैध शराब की बड़ी खेप पहुँचाई जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए तुरंत एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मटियरिया गांव के पास घेराबंदी की और संदिग्ध कार को रोककर उसकी तलाशी ली। कार (रजिस्ट्रेशन नंबर- BR01AZ1065) की गहन जांच के दौरान उसमें छिपाकर रखी गई कुल 168.000 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद हुई, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से कार चालक सह शराब तस्कर को दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान संग्रामपुर थाना क्षेत्र के पंचभिरवा (वार्ड संख्या- 05) निवासी राजू सहनी के पुत्र मनोज सहनी के रूप में हुई है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2016 (संशोधित 2018) की सुसंगत धारा-30(a) के अंतर्गत मामला दर्ज कर लिया गया है तथा आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। इस सफल छापेमारी अभियान का नेतृत्व उत्पाद थानाध्यक्ष सह निरीक्षक नितेश कुमार कर रहे थे, जबकि टीम में सहायक अवर निरीक्षक अजीत कुमार सिंह, सहायक अवर निरीक्षक उत्पल कुमार एवं उत्पाद विभाग के सशस्त्र पुलिस बल के जवान शामिल थे।

जिहुली दोहरे हत्याकांड में एसपी का सख्त रुख, फरार आरोपितों पर 20-20 हजार का इनाम

एक सप्ताह का अल्टीमेटम, सरेंडर नहीं किया तो कुर्की-जब्ती की तैयारी; नौ नामजद में तीन गिरफ्तार

बीएनएम@ पताही

जिहुली दोहरे हत्याकांड में पुलिस ने फरार आरोपितों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पताही थाना क्षेत्र के जिहुली पंचायत स्थित जमुनी टोला में हुए खूनी संघर्ष में दो लोगों की मौत के मामले में मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने शनिवार को घटनास्थल और मृतकों के घर पहुंचकर परिजनों से जानकारी ली। एसपी ने पुलिस की अब तक की कार्रवाई की समीक्षा करते हुए फरार आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर सख्त निर्देश दिए। एसपी ने बताया कि मामले में कुल नौ लोगों को आरोपित बनाया गया है। इनमें तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि छह अभी फरार हैं। फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। फरार आरोपितों पर पुलिस ने 20-20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। एसपी ने स्पष्ट किया कि आरोपितों को गिरफ्तारी से बचने का ज्यादा समय नहीं दिया जाएगा। उन्हें एक सप्ताह के भीतर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने का अल्टीमेटम दिया गया है। निर्धारित अवधि में सरेंडर नहीं करने पर पुलिस न्यायालय से कुर्की-जब्ती का आदेश प्राप्त करने की कार्रवाई करेगी। एसपी ने कहा कि मामले में शामिल किसी भी आरोपित को बख्शा नहीं जाएगा। फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है और पुलिस की टीमें उनके संभावित ठिकानों पर नजर बनाए हुए हैं। एसपी के मृतकों के घर पहुंचने और फरार आरोपितों पर इनाम घोषित किए जाने के बाद पुलिस कार्रवाई को लेकर इलाके में हलचल बढ़ गई है। अब पुलिस की नजर फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के साथ कुर्की-जब्ती की अगली कार्रवाई पर है।

संक्षिप्त समाचार

धनहा में तेंदुए ने दो हिरणों का किया शिकार, ग्रामीणों में दहशत

लगातार चल रही जांच और निगरानी, ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील

बीएनएम@ बगहाः बगहा पुलिस जिला अंतर्गत धनहा थाना क्षेत्र के भपसा गांव के सेमरहवा सरेह में तेंदुए की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। शनिवार देर शाम ग्रामीणों ने सरेह में दो मृत हिरणों को देखा। दोनों हिरणों के शिकार की सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग को दी। रविवार सुबह वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र में जांच शुरू की। जांच के दौरान वन विभाग की टीम को तेंदुए के पगमार्ग सहित उसकी गतिविधियों से जुड़े कई संकेत मिले। इन साक्ष्यों के आधार पर टीम ने क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि की। वन विभाग के अनुसार, तेंदुए ने सरेह में दोनों हिरणों का शिकार किया है। घटना के बाद भपसा समेत आसपास के गांवों के ग्रामीणों में भय बढ़ गया है। रेंजर कार्यालय के अधिकारी शर्मेंद्र और टाइगर ट्रैकर की टीम ने सरेह में तेंदुए के पगमार्ग और अन्य गतिविधियों के संकेतों की तलाश की। वन विभाग की टीम तेंदुए की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है। रेंजर श्रीमान मालाकार ने बताया कि इलाके में लगातार जांच और निगरानी चल रही है। ग्रामीणों को सतर्क कर दिया गया है।

चमैनिया नहर में 18 वर्षीय युवक डूबा

घंटों तलाश के बाद भी नहीं मिला सुराग

बीएनएम@ योगापट्टी। सिरिसिया थाना क्षेत्र के सेमरा परसा गांव के समीप रविवार को चमैनिया नहर में 18 वर्षीय युवक के डूबने से अफरा-तफरी मच गई।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में नहर किनारे पहुंच गए। युवक के डूबने की सूचना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से नहर में उतरकर युवक की तलाश शुरू कराई। नहर के पानी और आसपास के हिस्सों में काफी देर तक खोजबीन की गई, लेकिन खबर लिखे जाने तक युवक का पता नहीं चल पाया था। नहर के आसपास लोगों की भीड़ जमा होने से मुख्य सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। देखते ही देखते सड़क पर जाम की स्थिति बन गई, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने SDRF टीम को भी सूचना दी है। स्थानीय पुलिस और ग्रामीण युवक की तलाश में लगातार जुटे हुए हैं। SDRF टीम के पहुंचने के बाद नहर में विशेष बचाव अभियान चलाया गया। फिलहाल युवक की तलाश जारी है।

एसडीएम ने किया रेवहिया कटाव स्थल का किया निरीक्षण

नदी के कटाव की गंभीरता देखते हुए वार्ड के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील

बीएनएम@ बगहाः बगहा अनुमंडल के गंडक पार स्थित मधुबनी प्रखंड के चिउरही पंचायत के रेवहिया कटाव स्थल पर रविवार की दोपहर एसडीएम चांदनी कुमारी ने अधिकारियों के साथ पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उनके साथ जल संसाधन विभाग के बाढ़ विशेषज्ञ अब्दुल हामिद, मुख्य अभियंता अशोक कुमार व दीपक कुमार सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कटाव प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम चांदनी कुमारी रेवहिया पंचायत के वार्ड नंबर चार में पहुंचीं, जहां नदी के लगातार हो रहे कटाव से उत्पन्न स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कटाव की गंभीरता को देखते हुए वार्ड के लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की। एसडीएम ने मधुबनी सीओ नंदलाल राम को निर्देश दिया कि कटाव से प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द चिन्हित भूमि पर विस्थापित किया जाए, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। इधर, मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बाढ़ विशेषज्ञ अब्दुल हामिद से नदी के कटाव से बचाव के लिए रिंग बांध निर्माण कराने की मांग की।

सुपौल में कोसी कटाव का कहर, राधा-कृष्ण मंदिर भी नदी में समाया

बीएनएम@ सुपौल

» एक माह में दो दर्जन से अधिक घर नदी में विलीन
» जलस्तर घटने के साथ बढ़ा कटाव; ग्रामीणों में दहशत

जिले के किशनपुर प्रखंड की मौजहा पंचायत के वार्ड-3 स्थित सुजानपुर में कोसी नदी का कटाव लगातार गंभीर होता जा रहा है। रविवार को कटाव की चपेट में आने से ग्रामीणों की आस्था का केंद्र राधा-कृष्ण मंदिर भी नदी में समा गया। मंदिर के नदी में विलीन होने की घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले करीब एक महीने में दो दर्जन से अधिक घर कोसी के कटाव की भेंट चढ़ चुके हैं।हैरत की बात यह है कि कोसी का जलस्तर सामान्य स्थिति में होने के बावजूद पानी घटने के साथ कटाव की रफ्तार बढ़ गई है। सुजानपुर में लगातार जमीन खिसक रही है और नदी का किनारा तेजी से टूट रहा है। इससे ग्रामीणों के सामने घर और सामान बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। खतरे को देखते हुए कई परिवार अपने मकानों को खुद तोड़कर ईंट, एस्बेस्टस और अन्य उपयोगी सामान निकाल रहे हैं। ग्रामीण राजेंद्र झा ने बताया कि रात के समय स्थिति और भयावह हो जाती है। अंधेरे में अचानक जमीन खिसकने का खतरा बना रहता है। उन्होंने बताया कि एक रात में एक घर का पूरा सामान नदी में बह गया और सुबह वहां घर का नामोनिशान तक नहीं बचा। रविवार को राधा-कृष्ण मंदिर के नदी में समाने से ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई। ग्रामीण श्याम झा ने कटावरोधी कार्य में देरी का आरोप लगाते हुए कहा कि समय रहते प्रभावी कदम उठाए जाते तो स्थिति को बिगड़ने से रोका जा सकता था। प्रभावित परिवार प्रशासन से तत्काल कटावरोधी कार्य शुरू कराने, सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने और पुनर्वास की व्यवस्था करने की मांग कर रहे हैं। कोसी बराज कंट्रोल रूम के आंकड़ों के अनुसार, रविवार 13 सितंबर को सुबह 11 बजे डाउनस्ट्रीम में 1,37,345 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज हो रहा था। ईस्टर्न कोसी मेन कैनाल में डिस्चार्ज शून्य रहा, जबकि वेस्टर्न कोसी मेन कैनाल में 4,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इस तरह कुल डिस्चार्ज 1,41,345 क्यूसेक दर्ज किया गया। कंट्रोल रूम के अनुसार डिस्चार्ज बढ़ने की स्थिति में था। इसी समय कोसी बराज कंट्रोल स्टेशन पर 99,500 क्यूसेक पानी दर्ज किया गया। जलस्तर में कमी के बावजूद कटाव की बढ़ती रफ्तार ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। लोगों को आशंका है कि यदि कटाव पर तत्काल नियंत्रण नहीं पाया गया तो आने वाले दिनों में नुकसान और बढ़ सकता है।

तेजस्वी यादव का केंद्र सरकार पर हमला, बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग, बोले

बिहार के साथ मोदी सरकार कर रही सौतेला व्यवहार'

» सम्राट चौधरी और बिहार से आने वाले केंद्रीय मंत्रियों पर भी निशाना साधा

बीएनएम@ पटना

बिहार की "डबल इंजन" सरकार के दोनों इंजन फेल हो चुके हैं

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राजद के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने बाढ़ राहत को लेकर केंद्र सरकार पर बिहार के साथ "सौतेला व्यवहार" करने का आरोप लगाया है। रविवार को पटना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और बिहार से आने वाले केंद्रीय मंत्रियों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे राज्य के लिए विशेष राहत पैकेज दिलाने में विफल रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि जब गुजरात में बाढ़ आती है, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तुरंत राज्य के नेताओं से बात करते हैं, राहत का भरोसा देते हैं और जरूरत पड़ने पर भारतीय वायुसेना समेत राहत एजेंसियों की तैनाती के निर्देश देते हैं। लेकिन बिहार के मामले में ऐसा नहीं दिखता। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री चुनाव के समय बिहार आते हैं और 'लिट्टी-चोखा' खाते हैं, लेकिन बाढ़ जैसी आपदा के दौरान राज्य को पर्याप्त सहायता नहीं मिलती। राजद नेता ने बताया कि उन्होंने 7 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बिहार में आई बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने और तत्काल 5,000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी पत्र भेजा गया, लेकिन अब तक किसी भी पत्र का जवाब नहीं मिला है। तेजस्वी यादव ने राज्य की एनडीए सरकार पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार की "डबल इंजन" सरकार के दोनों इंजन फेल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री से कितनी बार बात करते हैं, लेकिन यह सवाल जरूर उठता है कि अब तक केंद्र से कोई बड़ा राहत पैकेज क्यों नहीं मिला। उन्होंने कहा कि बिहार से कई केंद्रीय मंत्री हैं, लेकिन राज्य के लिए केंद्रीय सहायता सुनिश्चित कराने में कोई प्रभावी भूमिका नहीं निभा पा रहा है। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि जिस तरह प्रधानमंत्री ने बाढ़ के समय बिहार की अनदेखी की है, उसी तरह भविष्य में बिहार की जनता भी उन्हें नजरअंदाज करेगी। बिहार के कई जिले इस समय बाढ़ की चपेट में हैं और विपक्ष लगातार केंद्र से अधिक आर्थिक सहायता तथा बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग कर रहा है।

चुनाहवापुल पर पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल

बीएनएम@ योगापट्टी

योगापट्टी प्रखंड के नवलपुर थाना क्षेत्र के चुनाहवापुल के समीप रविवार को तेज रफ्तार पिकअप और बाइक के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।जानकारी के अनुसार कुड़िया रमपुरवा गांव निवासी शंभू यादव और योगेश यादव एक ही बाइक से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान चुनावापुल के पास सामने से आ रहे पिकअप वाहन से उनकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और उन्हें चोट आईं। आसपास के लोग दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सक प्रभात कुमार ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया। जांच के बाद शंभू यादव की हालत अधिक गंभीर बताई गई। चिकित्सक ने दोनों को बेहतर इलाज के लिए बेतिया जीएमसीएच रेफर कर दिया।

भोजपुर में आरा –सलेमपुर मुख्य मार्ग पर चढ़ा 4 फीट पानी

जान जोखिम में डालकर सफर को मजबूर ग्रामीण

बीएनएम@ भोजपुर

जिले में गंगा नदी के बढ़े जलस्तर का असर अब सड़कों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। आरा-सलेमपुर मुख्य मार्ग पर छोटकी सनदिया गांव के समीप सड़क पर करीब तीन से चार फीट पानी जमा हो गया है। तेज बहाव के साथ सड़क पर बह रहे बाढ़ के पानी के बीच भी ग्रामीण आवागमन करने को मजबूर हैं। पानी की भयावह स्थिति के बावजूद लोगों की मजबूरी उन्हें इस जोखिम भरे रास्ते से गुजरने के लिए विवश कर रही है। कई जगह पानी का बहाव तेज है, जिससे सड़क का वास्तविक स्वरूप भी दिखाई नहीं दे रहा। इसके बावजूद लोग किसी तरह पानी को पार कर अपने गंतव्य तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे हालात में थोड़ी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का सबब बन सकती है। ग्रामीणों के मुताबिक इस मुख्य मार्ग से दो दर्जन से अधिक गांवों के लोगों का रोजाना आवागमन होता है। सड़क पर पानी भर जाने के कारण इन गांवों के लोगों के सामने आवाजाही का गंभीर संकट पैदा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि उनके पास फिलहाल आने-जाने के लिए कोई दूसरा सुविधाजनक रास्ता नहीं है। इसी वजह से उन्हें मजबूरी में बाढ़ के तेज बहाव वाले पानी को पार करना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि पानी की गहराई और बहाव दोनों ही काफी खतरनाक हैं। इसके बावजूद जरूरी कामकाज, बाजार और अन्य जरूरतों के लिए घर से बाहर निकलना पड़ता है। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए स्थिति और भी मुश्किल बनी हुई है। भोजपुर जिले में गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण जिले के सैकड़ों गांव बाढ़ की चपेट में बताए जा रहे हैं। कई इलाकों में खेत, संपर्क मार्ग और रिहायशी क्षेत्रों में पानी फैल गया है। बाढ़ के पानी ने ग्रामीण जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। ग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन जल्द से जल्द सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था करे और जलजमाव वाले मार्ग पर आवश्यक इंतजाम किए जाएं।फिलहाल गंगा का पानी और सड़क पर तेज बहाव ग्रामीणों के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है।

राहत : परेशानी का सबब बना लंगूर आखिरकार पकड़ा गया

बीएनएम@ योगापट्टी

वन विभाग की कार्रवाई से ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

योगापट्टी प्रखंड के नवलपुर थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या दो और तीन में करीब एक माह से ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बने लंगूर को आखिरकार वन विभाग की टीम ने पकड़ लिया। शनिवार को ग्रामीण युवकों की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लंगूर को पिंजरे में सुरक्षित कैद कर लिया।लंगूर के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही इलाके के लोगों ने राहत की सांस ली। बड़ी संख्या में बच्चे और ग्रामीण मौके पर जुट गए और पिंजरे में बंद लंगूर को देखने लगे। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले करीब एक महीने से लंगूर के कारण लोगों में भय का माहौल बना हुआ था। खासकर बच्चों और राहगीरों को उसके हमले की आशंका बनी रहती थी। वहां उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि लंगूर को पकड़ने के लिए वन विभाग के कर्मियों के साथ ग्रामीण भी लगातार प्रयास कर रहे थे। उसे पकड़ने के लिए पिंजरे में पहले एक छोटे लंगूर को रखा गया। कुछ देर बाद छोटे लंगूर को बाहर निकाल लिया गया और उसकी मौजूदगी का सहारा लेकर पिंजरे के अंदर रोटी रखी गई।रोटी के लालच में लंगूर जैसे ही पिंजरे के अंदर पहुंचा, वह उसमें कैद हो गया। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लंगूर को सुरक्षित कब्जे में ले लिया।वन विभाग के कर्मी कुणाल कुमार ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर करीब एक सप्ताह पहले लंगूर को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया गया था। शनिवार को उसके पिंजरे में फंसने की जानकारी मिली, जिसके बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे सुरक्षित बाहर निकाला।लंगूर के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों में खुशी का माहौल है।

पालीगंज में हाजत में युवक की आत्महत्या के बाद थानेदार-चौकीदार सस्पेंड

बीएनएम@ पटना

» पटना एसएसपी ने की बड़ी कार्रवाई
» मारपीट के आरोप में पूछताछ के लिए लाया गया था थाना

पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल स्थित सिगोड़ी थाने की हाजत में बंद एक कैदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गया जिले के चाकन गांव निवासी 30 वर्षीय अजय मांझी के रूप में हुई है। अजय मांझी ने सुबह के समय थाने के बाथरूम में अपने गमछे का फंदा बनाकर यह खौफनाक कदम उठाया।इस पूरे मामले पर पटना पश्चिम सिटी एसपी संकेत कुमार ने बताया कि ईंट भट्ठा मालिक शरद यादव और अजय मांझी के बीच पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद में शरद यादव ने थाने में आवेदन दिया था। परिवार के लोगों ने ईंट भट्ठा मालिक पर मारपीट कर हत्या का आरोप भी लगाया है। जानकारी के अनुसार, बीती रात सिगोड़ी पुलिस को ईंट भट्ठा मालिक शरद यादव से एक आवेदन प्राप्त हुआ था, जिसमें पैसों के विवाद को लेकर मारपीट की बात कही गई थी। इसी शिकायत के आधार पर पुलिस अजय मांझी और उसके दो अन्य साथियों को हिरासत में लेकर थाने आई थी और तीनों को अन्य कैदियों के साथ हाजत में रखा गया था। सुबह करीब 4 बजे ड्यूटी पर मौजूद चौकीदार को घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। तुरंत ही अजय मांझी को इलाज के लिए पटना एम्स ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा, पटना पश्चिम सिटी एसपी संकेत कुमार और पालीगंज अनुमंडल के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। कस्टडी में मौत के इस बेहद गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एसएसपी पटना ने सिगोड़ी थानेदार तनेश पायल और संबंधित चौकीदार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही, घटना के वक्त ड्यूटी पर तैनात ओडी (OD) ऑफिसर और अन्य पुलिस कर्मियों की भूमिका की भी गहनता से विभागीय जांच की जा रही है।

बेतिया में गन्ना किसानों का विशाल धरना 26 को

बीएनएम@ बेतिया

बिहार राज्य ईख उत्पादक संघ की पश्चिम चंपारण जिला कमिटी की बैठक रविवार को रिक्शा मजदूर सभा भवन, मीना बाजार बेतिया में हुई। बैठक से पूर्व अखिल भारतीय गन्ना किसान महासंघ के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष प्रभुराज नारायण राव ने संघ का झंडोत्तोलन किया। बैठक में गन्ना किसानों की विभिन्न समस्याओं और आगामी आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय गन्ना किसान महासंघ के कोषाध्यक्ष सह बिहार राज्य ईख उत्पादक संघ के महासचिव प्रभुराज नारायण राव ने कहा कि चीनी मिल मालिकों और केंद्र सरकार की कथित मिलीभगत से चीनी के दाम में लगातार वृद्धि हुई है, जबकि गन्ना किसानों को उनकी लागत के अनुरूप उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि गन्ने की खेती किसानों के लिए घाटे का सौदा बनती जा रही है। उन्होंने बिहार सरकार से गन्ने का मूल्य 650 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने की मांग की।राव ने कहा कि गन्ने की घटतौली पर रोक, किसानों के बकाये का ब्याज सहित भुगतान, बिहार सरकार द्वारा प्रस्तावित पुराने नौ चीनी मिलों और 15 नई चीनी मिलों को चालू कराने सहित विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन किया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि 26 सितंबर को बेतिया में जिला पदाधिकारी के समक्ष विशाल धरना दिया जाएगा। इसके लिए सभी प्रखंडों में किसानों की बैठक आयोजित कर उन्हें 26 सितंबर को बेतिया पहुंचने का आह्वान किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता संजय राव ने की। मौके पर जिला सचिव म. वहीद, अध्यक्ष लाल बाबू यादव, चांदसी प्रसाद यादव, प्रकाश कुमार वर्मा, म. हनीफ, सुनील यादव, मनोज कुशवाहा, म. सहीम, प्रेम प्रसाद, काशी साह, दोवा हकीम सहित अन्य मौजूद रहे।

किसान-मजदूरों का 28 सितंबर को राजभवन मार्च की तैयारी

बीएनएम@ बेतिया

बेतिया में एटक के कन्वेंशन में पश्चिम चंपारण से हजारों लोगों को पटना पहुंचने का आह्वान

आगामी 28 सितंबर को पटना में प्रस्तावित राजभवन मार्च को सफल बनाने को लेकर रविवार को बेतिया के बलिराम भवन सभागार में एटक की ओर से किसान, मजदूर, छात्र, नौजवान और महिला संगठनों का एक दिवसीय कन्वेंशन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पश्चिम चंपारण से बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। अशोक मिश्र, राजेन्द्र साह, आरती, मनोज साह, लालबाबु राम, साधना देवी और आदर्श मणि तिवारी की संयुक्त अध्यक्ष मंडली में आयोजित कन्वेंशन का उद्घाटन राज्य किसान नेता विजय शंकर सिंह ने किया। इस दौरान किसानों, मजदूरों, छात्रों, नौजवानों और महिलाओं की समस्याओं पर चर्चा करते हुए उनके समाधान के लिए 28 सितंबर को पटना पहुंचकर राजभवन मार्च में शामिल होने का आह्वान किया गया। मुख्य अतिथि राज्य किसान सभा के महासचिव रामचंद्र महतो ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसान, मजदूर, छात्र, नौजवान और महिलाओं की समस्याओं को लेकर आंदोलन को व्यापक बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न संगठनों के लोग पटना की सड़कों पर उतरकर राज्यपाल को मांग पत्र सौंपेंगे। एटक बिहार के डिप्टी जनरल सेक्रेटरी ओम प्रकाश क्रांति ने आशा कार्यकर्ताओं, रसोइया, सेविका-सहायिका, आउटसोर्सिंग कर्मचारियों सहित संविदा कर्मियों से भी पटना पहुंचने की अपील की। कन्वेंशन को किसान नेता राधामोहन यादव, खेत मजदूर नेता सुबोध मुखिया, नौजवान नेता एन.डी. तिवारी, महिला नेत्री समेत विभिन्न संगठनों के नेताओं ने संबोधित किया। बैठक में 27 सितंबर को 5216 ट्रेन से पटना कूच करने का भी आह्वान किया गया।

अपने अनुसंधान क्यों नहीं कर सकतीं ?

डीआरडीओ ने पारंपरिक मिसाइल क्षेत्र में जो तकनीकें विकसित की हैं, भारत सरकार ने उन सबको निजी कंपनियों को सौंपने को मंज़ूरी दे दी है। सवाल है, अपने अनुसंधान क्यों नहीं कर सकतीं? भारत में 2001 में रक्षा क्षेत्र को प्राइवेट सेक्टर के लिए खोला गया था। 2020 में इस क्षेत्र में ऑटोमैटिक रूट से 74 प्रतिशत और सरकारी मंज़ूरी के रास्ते 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की इजाजत दी गई। अब तक 350 से ज्यादा निजी कंपनियों को उत्पादन लाइसेंस जारी किए गए हैं। लेकिन 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के समय भारतीय सेना को निजी क्षेत्र से इतनी निराशा हुई कि लड़ाई के बाद बड़े सैन्य अधिकारियों ने इन कंपनियों की सार्वजनिक आलोचना की। वायु सेनाध्यक्ष ए.पी. सिंह ने कहा कि एक भी प्रोजेक्ट ऐसा नहीं है, जो समय पर पूरा हुआ हो। उन्होंने कहा कि इन कंपनियों से कॉन्ट्रैक्ट साइन करते वक्त यह पता नहीं होता कि वह समय पर पूरा होगा या नहीं! उन्होंने प्राइवेट कंपनियों से मुनाफे की सोच से ऊपर उठने का आह्वान किया था। उप सेना प्रमुख राहुल आर. सिंह ने भी निजी रक्षा क्षेत्र को लेकर काफी हद तक एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह से मिलते-जुलते विचार जताए। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा कि अप्रैल 2025 में (ऑपरेशन सिंदूर से पहले) जब उन्होंने ड्रोन निर्माताओं से समय पर उपकरण देने की क्षमता पूछी, तो कई ने हाथ खड़े कर दिए। दोनों बड़े सैन्य अधिकारियों ने ध्यान दिलाया कि निजी कंपनियां रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर खर्च नहीं करना चाहतीं। अब भारत सरकार ने पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों पर सार्वजनिक क्षेत्र की संस्था- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने जो तकनीकें विकसित की थीं, उन सबको उन्हीं निजी कंपनियों को सौंपने को मंज़ूरी दे दी है।

ऐसा मिसाइल क्षेत्र में सरकार का एकाधिकार खत्म करने का तर्क देकर किया जा रहा है। मगर निजी कंपनियां अपने अनुसंधान क्यों नहीं कर सकतीं? अगर उनमें इसको लेकर प्रतिस्पर्धा हो, तो भारत में ऐसे नए अस्त्र बनाए जा सकते हैं, जिनसे दुनिया अचंभित हो! लेकिन यह अनुभव दुनिया भर का है कि तुरंत मुनाफे की भावना से प्रेरित निजी क्षेत्र दीर्घकालिक महत्त्व के निवेश नहीं करता। ऐसे में सार्वजनिक क्षेत्र को रक्षा क्षेत्र में नेतृत्वकारी भूमिका निभानी पड़ती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे बेशुमार तजुर्बों से भारत में कुछ नहीं सीखा जा रहा है।

वंदे मातरम को स्वीकार करने से भाग रही कांग्रेस

एस. सुनील

वंदे मातरम सिर्फ एक गीत नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ भारतीयों की राष्ट्रवाद की भावनाओं को प्रतीकित करने का माध्यम है। यह भारत की नियति का एक सबसे सुंदर हिस्सा है। दुर्भाग्य से कांग्रेस पार्टी इस नियति को स्वीकार करने से भाग रही है। जिस पार्टी ने आजादी की लड़ाई का नेतृत्व किया, आजादी के 80वें वर्ष तक आते आते उसका इतना पतन हो गया कि उसने अपना ही इतिहास भुला दिया! आश्चर्य की बात यह है कि कांग्रेस इतिहास को 1937 से शुरू करना चाहता है। लेकिन वंदे मातरम का इतिहास तो 1875 से शुरू होता है, जब महान बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने इसकी रचना की थी। इस गीत ने कई तरह के बदलाव देखे हैं। आजादी से पहले और आजादी के बाद की स्थितियां देखी हैं। अगर कांग्रेस इसे आजादी से पहले वाली स्थिति में ही रख कर देखना चाहती है तो यह उसकी समझ है। परंतु मौजूदा समय मुस्लिम लीग और मोहम्मद अली जिन्ना जैसे किसी नेता के दबाव में निर्णय का नहीं है। क्या कांग्रेस भूल गई कि 1896 के बाद से यह पूरा गीत कांग्रेस के अपने इतिहास का हिस्सा रहा है? स्वयं गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर ने 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में वंदे मातरम के सभी छह अंतरे गाए थे। 1896 से लेकर 1937 तक कांग्रेस के कम से कम सात राष्ट्रीय अध्यक्ष मुस्लिम थे और उन सबकी अध्यक्षता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम के सभी छह अंतरे गाए गए। किसी मुस्लिम अध्यक्ष ने इस आधार पर आपत्ति नहीं की थी कि इसमें हिंदू देवी, देवताओं का जिक्र है और इससे उनकी धार्मिक भावना आहत होती है। शुरुआत 1896 से ही होती है, जब मोहम्मद रहमतुल्ला एम सयानी कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे और तब के कलकत्ता अधिवेशन में पूरा वंदे मातरम गाया गया था। ऐसे ही 1913 में कराची अधिवेशन में नवाब सैयद मोहम्मद बहादुर कांग्रेस अध्यक्ष थे और पूरा वंदे मातरम गाया गया था। 1918 में उस समय के बॉम्बे में हुए विशेष कांग्रेस अधिवेशन में सैयद हसन इमाम कांग्रेस अध्यक्ष थे और वंदे मातरम के सभी छह अंतरे गाए गए। 1921 में हकीम अजमल खां और 1923 में मोहम्मद अली जौहर कांग्रेस अध्यक्ष थे और तब भी पूरे वंदे मातरम का गायन हुआ था। उसके बाद मौलाना अबुल कलाम आजाद और मुख्तार अहमद अंसारी के समय भी वंदे मातरम को लेकर विवाद नहीं हुआ।

यह ऐतिहासिक तथ्य है कि मोहम्मद अली जिन्ना से पहले किसी मुस्लिम नेता ने धार्मिक भावना आहत होने के सवाल पर इस गीत का विरोध नहीं किया था। मुस्लिम नेताओं ने इस गीत का विरोध इसलिए नहीं किया था क्योंकि यह राष्ट्रवाद की भावना का गीत था, आजादी की लड़ाई का गीत था और साथ ही हिंदू व मुस्लिम के एक साथ मिल कर अंग्रेजों से लड़ने का गीत था। इस गीत और वंदे मातरम के नारे के साथ तो 1905 के बंग विभाजन का विरोध किया गया था और अंग्रेजों को बंगाल के बंटवारे का फैसला टालने के लिए विवश किया गया था। फिर यह कैसे सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने या किसी की भावना आहत करने वाला गीत हो सकता है? सबसे पहले इस गीत से मोहम्मद अली जिन्ना की भावना आहत हुई थी। वैसे उनकी भावना आहत होना भी एक राजनीतिक मसला था, जो उनकी महत्वाकांक्षा से जुड़ा था। उन्होंने मुस्लिम आवाम को कांग्रेस से दूर करने के लिए यह मुद्दा उठाया और उस समय कांग्रेस नेतृत्व ने आजादी की लड़ाई के व्यापक संदर्भ को देखते हुए यह समझौता किया कि वंदे मातरम के सिर्फ दो ही अंतरे गाए जाएंगे। तभी 1937 के कलकत्ता अधिवेशन में पहली बार सिर्फ दो अंतरे गाए गए। हालांकि उसके बाद भी कांग्रेस मुस्लिम लीग को संतुष्ट नहीं कर पाई। इसका कारण यह था कि कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं को इस गीत के दो या चार अंतरे से समस्या नहीं थी। उनको वंदे मातरम के दो शब्दों से आपत्ति थी। उन्होंने अपने धार्मिक विश्वास को राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति का माध्यम बनाया और उसके बाद देश में क्या हुआ यह सब जानते हैं। अगर कांग्रेस के इस तर्क को मान भी लें कि 1937 में महात्मा गांधी और दूसरे महान नेताओं ने जो वंदे मातरम गाया वही कांग्रेस गाएगी तब भी यह सवाल तो है कि क्या कांग्रेस अब भी मान रही है कि देश के हालात 1937 जैसे हैं? क्या कांग्रेस मान रही है कि नागरिकों का एक समूह देश के राष्ट्रगीत का सम्मान नहीं करना चाहता है तो उसकी मांग के आगे झुक जाया जाए? यह बहुत साफ दिख रहा है कि कांग्रेस अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के चलते न सिर्फ राष्ट्रगीत का अपमान कर रही है, बल्कि कानून और संविधान का भी उल्लंघन कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने संसद के मानसून सत्र में विधेयक पारित करके जो कानून बनाया है उसमें बहुत लचीलापन है। उसमें किसी को बाध्य नहीं किया जा रहा है कि वह पूरा वंदे मातरम गाए। राजकीय समारोहों में से पूरा बजाए जाने का प्रावधान किया गया है और नागरिकों से सिर्फ यह उम्मीद की जा रही है कि जब भी वंदे मातरम गाया या बजाया जाए तो वह उसका सम्मान करें। उससे सिर्फ यह उम्मीद की जाती है कि वह वंदे मातरम का अपमान नहीं करे, उसके गायन में बाधा नहीं उत्पन्न करे और इसे रोकने का प्रयास न करे। अगर उसे गीत याद नहीं है तब भी उससे सिर्फ सम्मान की उम्मीद की जा रही है। असल में देश की मुस्लिम आबादी का एक बड़ा हिस्सा है अपनी संवैधानिक पहचान से ऊपर धार्मिक पहचान को रखना चाहता है। यह देश की एकता व अखंडता के लिए एक चिंताजनक विचार है। भारत का संविधान सबको धार्मिक आजादी देता है। लेकिन हर नागरिक की पहली पहचान भारतीय होने की है, जो संविधान से व्याख्यायित है। उससे ऊपर कोई पहचान नहीं हो सकती है। यह बात देश की मुख्य विपक्षी पार्टी को समझने की जरूरत है। नागरिक की संवैधानिक पहचान सबसे ऊपर है और अगर देश की संसद ने कानून बना कर वंदे मातरम का गायन अनिवार्य किया है और उसके सम्मान के कुछ नियम बनाए हैं तो उनका पालन किया जाना चाहिए। मुश्किल यह है कि कांग्रेस चित भी मेरी और पट भी मेरी की राजनीति कर रही है। उसने संसद में वंदे मातरम के विधेयक पर चर्चा में हिस्सा नहीं लिया। उसको लग रहा था कि अगर उसने इसका समर्थन किया तो कट्टरपंथी मुस्लिम नाराज होंगे और अगर विरोध किया तो बहुसंख्यक हिंदू समाज के बीच नकारात्मक मैसेज जाएगा। इसलिए उसने रणनीतिक रूप से दूरी रखी। लेकिन बाद में कांग्रेस का असली रूप सामने आ गया। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में जो हुआ उसे पूरे देश ने देखा। जैसे ही वंदे मातरम का तीसरा अंतरा बजना शुरू हुआ सोनिया व राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे तीनों असहज हो गए। सोनिया गांधी का तो चेहरा गुस्से से तमतमाने लगा और उन्होंने सेवा दल के एक स्वयंसेवक को बुला कर नाराजगी जताई। साफ दिख रहा था कि वंदे मातरम का गायन रुकवाने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि सेवा दल के स्वयंसेवक को कानून की जानकारी थी। इसलिए उसने पूरा गाना बजने दिया। बाद में जयराम रमेश ने कहा कि सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष के लिए कुर्सी लाने की बात कही थी। यह कानून में से लूपहोल निकाल कर उससे बचने के प्रयास के सिवा और कुछ नहीं है। कांग्रेस नेतृत्व को पता है कि अगर राष्ट्रगीत को बीच में रोकने का प्रयास किया गया तो मुकदमा दर्ज हो सकता है। इसलिए बचने का यह रास्ता निकाला गया। लेकिन मामला इतना ही नहीं है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस की केरल सरकार ने राजकीय समारोह में वंदे मातरम का गायन नहीं कराया, जबकि नए कानून में इसे अनिवार्य किया गया है। स्पष्ट है कि कांग्रेस ने अपनी सहयोगी मुस्लिम लीग की चिंता में कानून का उल्लंघन किया। बाद में 19 अगस्त को कांग्रेस कार्य समिति यानी सीडब्लूसी की बैठक में यह तय किया गया कि कांग्रेस वंदे मातरम के दो अंतरे गाएगी। यह कानूनी रूप से गलत नहीं होगा क्योंकि निजी समारोह में वंदे मातरम के गायन को लेकर कई तरह की छूट दी गई है। परंतु अगर कांग्रेस और उसकी सरकारें मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति के चलते राजकीय समारोहों में भी दो ही अंतरे गाती है या वंदे मातरम नहीं गाती है तो यह समस्या वाली बात होगी। इसका स्पष्ट संदेश यह होगा कि वोट और तुष्टिकरण की राजनीति में कांग्रेस किसी भी हद तक जाने को तैयार है। इसके लिए उसको संविधान की परवाह नहीं और बहुसंख्यक हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने में भी संकोच नहीं है। ध्यान रहे कांग्रेस के पास इतिहास की एक बड़ी पूंजी यह है कि उसने आजादी की लड़ाई लड़ी है। वोट की राजनीति में क्या वह उसे भी गंवाने का जोखिम ले सकती है? राष्ट्रवाद और हिंदुत्व पर भाजपा का एकाधिकार है। अब कांग्रेस वंदे मातरम का विरोध करके आजादी की लड़ाई के अपने इतिहास को गंवा रही है। वह वही गलती दोहरा रही है, जो उसने अस्सी के दशक में शाहबानो मामले में की थी। मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए किए गए उस फैसले के 40 साल गुजर गए हैं और उसके बाद से कांग्रेस कभी भी लोकसभा में बहुमत नहीं हासिल कर पाई है।

विनोबा भावे के भुदान एवं सर्वोदय में सबका विकास संभव

ललित गर्ग

जब कोई राष्ट्र आर्थिक समृद्धि, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्रतिष्ठा की ओर बढ़ता है, तब उसके सामने एक बड़ा प्रश्न खड़ा होता है-क्या विकास केवल भौतिक उपलब्धियों का नाम है अथवा मनुष्य के भीतर नैतिकता, करुणा, सह-अस्तित्व और जिम्मेदारी का विकास भी उसका अनिवार्य हिस्सा है? आज भारत 'नया भारत', 'विकसित भारत' और 'समृद्ध भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में आचार्य विनोबा भावे का जीवन और चिंतन हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव मनुष्य का चरित्र है। 11 सितंबर को विनोबा भावे की जयंती है। उनका मूल नाम विनायक नरहरि भावे था। वे महात्मा गांधी के निकट सहयोगी, स्वतंत्रता सेनानी, चिंतक, अध्यात्मद्रष्टा और सर्वोदय आंदोलन के प्रणेता थे। लेकिन उन्हें केवल गांधीजी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी के रूप में देखना उनके विराट व्यक्तित्व को सीमित करना होगा। विनोबा की अपनी स्वतंत्र वैचारिक भूमि थी। वे संत ज्ञानेश्वर और संत तुकाराम से प्रेरित थे, भगवद्गीता उनके जीवन का आध्यात्मिक आधार थी और समाज-परिवर्तन उनके चिंतन का व्यावहारिक पक्ष। विनोबा का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने आध्यात्मिकता को समाज की वास्तविक समस्याओं से जोड़ा। भूदान आंदोलन इसका अद्भुत उदाहरण है। वे गाँव-गाँव पैदल गए और भूमिधरों से अपनी भूमि का एक हिस्सा भूमिहीनों के लिए दान करने का आग्रह किया। यह केवल भूमि का हस्तांतरण नहीं था, बल्कि स्वामित्व की मानसिकता से साझेदारी की चेतना की ओर बढ़ने का प्रयास था। आगे चलकर भूदान से ग्रामदान की अवधारणा विकसित हुई-'सारी भूमि गोपाल की।' इसमें आर्थिक न्याय के साथ सामाजिक समरसता और नैतिक उत्तरदायित्व का संदेश छिपा था। विनोबा का विश्वास था कि समाज को केवल कानूनों से नहीं, अंतरात्मा के जागरण से बदला जा सकता है। यही दृष्टि उन्हें सर्वोदय तक ले गई-ऐसा समाज जिसमें विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और किसी के उत्थान की कीमत दूसरे के शोषण से न चुकानी पड़े। चंबल के डाकुओं को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करना उनके नैतिक नेतृत्व की शक्ति का प्रमाण था। उनके भीतर ऐसा विश्वास था कि मनुष्य मूलतः परिवर्तनशील है, आवश्यकता उसके भीतर की अच्छाई को जगाने की है।

विनोबा भावे और अणुव्रत आंदोलन के प्रणेता आचार्य तुलसी के बीच भी इसी नैतिक चेतना की गहरी साम्यता थी। जब आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से व्यक्ति-निर्माण और नैतिक जागरण का अभियान प्रारंभ किया, तब अनेक राष्ट्रीय व्यक्तित्वों ने उनके प्रयासों को सहयोग और समर्थन दिया। विनोबा भावे उनमें प्रमुख थे। दोनों महापुरुष समय-समय पर मिलते रहे और देश के निर्माण में नैतिक मूल्यों की अनिवार्यता पर गंभीर विचार-विमर्श करते रहे। उनकी दृष्टि में राजनीति, समाज और अर्थव्यवस्था तभी स्वस्थ हो सकती है, जब उनका संचालन नैतिक मनुष्य के हाथों में हो। दोनों की पदयात्राओं में भी एक आत्मीय जुड़ाव दिखाई देता है। पदयात्रा उनके लिए केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने का माध्यम नहीं थी, वह जन-संपर्क, जन-जागरण और आत्म-संपर्क की साधना थी। विनोबा कहा करते थे कि पैदल चलने से धरती का स्पर्श होता है और प्रकृति के साथ संबंध गहरा होता है। उनके विचारों की यह अनुभूति मुझे स्वयं भी हुई। अणुव्रत आंदोलन के प्रणेता आचार्य तुलसी के साथ अनेक वर्षों तक पैदल चलने का अवसर मिला। मैंने अनुभव किया कि पैदल यात्रा केवल शरीर को गतिशील नहीं करती, वह मन और मस्तिष्क के बंद द्वार भी खोलती है। रास्ते में मिलने वाला सामान्य व्यक्ति भी शिक्षक बन जाता है और जीवन स्वयं एक खुली पाठशाला बन जाता है। मेरे परिवार का विनोबा भावे से जुड़ा एक प्रसंग आज भी मेरे लिए अत्यंत भावपूर्ण है। मेरे पिता स्व. श्री रामस्वरूप गर्ग और माता स्व. श्रीमती सत्यभामा गर्ग सर्वोदय कार्य से जुड़े हुए थे। वर्ष 1959 में विनोबा भावे पदयात्रा करते हुए अजमेर आए। उन्हें जानकारी मिली कि उनकी कार्यकर्त्री सत्यभामा गर्ग कैंसर से पीड़ित हैं और जीवन-मृत्यु के बीच संघर्ष कर रही हैं। वे उनसे मिलने इमली मोहल्ले की संकरी गलियों से होते हुए तीसरी मंजिल तक गए और उन्हें अपना आशीर्वाद दिया। यह घटना बताती है कि विनोबा का नेतृत्व केवल बड़े मंचों और आंदोलनों तक सीमित नहीं था। वे व्यक्ति के दुख को अपना दुख मानने वाले करुणाशील संत थे। इसी क्रम में अजमेर के निकट हटूंडी में आयोजित सर्वोदय सम्मेलन का प्रसंग भी उल्लेखनीय है। मेरे पिता सर्वोदय के सक्रिय कार्यकर्ता थे। उस सम्मेलन में वे आचार्य तुलसी के शिष्य मुनि राकेश कुमार जी को भी लेकर गए। वहां विनोबा भावे के साथ उनकी लंबी और सार्थक चर्चाएँ हुईं। यह केवल दो विचारधाराओं का संवाद नहीं था, बल्कि उस समय के दो नैतिक प्रवाहों का मिलन था- सर्वोदय की सामाजिक चेतना और अणुव्रत की व्यक्तिगत नैतिक साधना। दोनों का लक्ष्य अंततः एक ही था-मनुष्य बदले, समाज बदले और राष्ट्र नैतिक शक्ति के आधार पर आगे बढ़े। विनोबा का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि महान व्यक्तित्वों का मूल्यांकन उनकी उपलब्धियों के साथ उनकी मानवीय सीमाओं और ऐतिहासिक संदर्भों में भी होना चाहिए। आपातकाल के दौरान उनके 'अनुशासन पर्व' संबंधी कथन ने उनके सार्वजनिक जीवन पर प्रश्न भी खड़े किए। किंतु किसी एक राजनीतिक प्रसंग से उनके पूरे जीवन के सामाजिक, आध्यात्मिक और रचनात्मक योगदान को नकारना उचित नहीं होगा। महापुरुषों को मूर्ति बनाकर पूजना जितना आसान है, उनके विचारों को आलोचनात्मक समझ के साथ जीवन में उतारना उतना ही कठिन। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

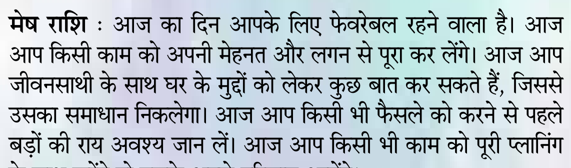

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आप किसी काम को अपनी मेहनत और लगन से पूरा कर लेंगे। आज आप जीवनसाथी के साथ घर के मुद्दों को लेकर कुछ बात कर सकते हैं, जिससे उसका समाधान निकलेगा। आज आप किसी भी फैसले को करने से पहले बड़ों की राय अवश्य जान लें। आज आप किसी भी काम को पूरी प्लानिंग के साथ करेंगे तो उसके अच्छे परिणाम आयेंगे।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आपको व्यापार में बड़े लाभ की संभावना बन रही है। आज आपको बड़ों का साथ व सहयोग भरपूर मात्रा में मिलेगा, जिससे आप योजनाओं को सफलतापूर्वक आगे बढ़ा पायेंगे। आज आप किसी धार्मिक आयोजन का हिस्सा बनेंगे और आपकी धार्मिक कार्यों के प्रति आस्था व विश्वास मजबूत होगा। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका रुका हुआ काम फिर से शुरू होगा, इस बार आप कड़ी मेहनत से उसको सफल बनायेंगे। इस राशि की महिलाओं के लिए दिन अच्छा रहेगा, आज आप खुद के लिए समय निकालकर अपनी सहेलियों के साथ एंजॉय करेंगी। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपकी सैलरी में इजाफा होगा, जिससे आर्थिक समस्या दूर होगी। आज किसी की मदद से आपके सरकारी काम बनते नजर आयेंगे। आज आप भावनाओं में बहकर कोई भी निर्णय न लें, इस राशि के इंजीनियर आज किसी नए प्रोजेक्ट के ऊपर काम शुरू कर सकते हैं।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप किसी प्रॉपर्टी में इंवेस्ट करने के लिए अनुभवी व्यक्ति की सलाह ले सकते हैं। आज आपको पूर्व में किये कार्यों का बढ़िया लाभ मिलेगा। आज आप किसी अच्छी कंपनी में जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं, आपको जल्द ही ऑफर लेटर प्राप्त होगा

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए बेहद खुशहाल रहने वाला है। आज आप अपने ऑफिशियल काम पूरे करने के लिए किसी मित्र की सहायता ले सकते हैं। आपकी मुलाकात बचपन के किसी दोस्त से होगी, आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी। आज आप अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, जिसमें आपको पारिवारिक सहयोग की प्राप्ति होगी।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज पारिवारिक लाभ होने के साथ-साथ आपके खर्च भी बढ़ सकते हैं, लेकिन आप अपने बजट पर ध्यान देंगे तो इससे बच जायेंगे। जिन बातों में आपकी ज्यादा रुचि है, उन पर ध्यान देंगे आपको खुशी होगी। आज नए लोगों के साथ जुड़ने से आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक बना रहेगा। आज इस राशि के टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़े व्यक्ति को धन लाभ कमाने का अच्छा अवसर प्राप्त होगा। आज आप अपनी योजनाओं को गुप्त रखने का प्रयास करें अन्यथा विरोधी इसका लाभ उठा सकते हैं। आज आप माता-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिए जा सकते हैं। आज बिजनेस पार्टनर के साथ मिलकर किए गए कामों से आपको फायदा हो सकता है।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको पैतृक संपत्ति का लाभ मिलने से खुशी होगी। आज भाई के साथ किसी काम को लेकर आप बात कर सकते हैं, जिसमें वो आपका पूरा सहयोग करेंगे। आज किसी काम के सिलसिले में आपको दूसरे शहर जाना पड़ सकता है, इसलिए आप अपने डॉक्यूमेंट साथ रखें। आज काम की अधिकता थोड़ी ज्यादा रहेगी इसलिए आपको थकान का अहसास हो सकता है।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आप फैमिली फंक्शन में शामिल होंगे, आपको देखकर सभी सदस्य खुश हो जायेंगे। आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आज आपकी रुचि सामाजिक कार्यों में बनी रहेगी, आपके द्वारा किये गए कार्य दूसरों के जीवन में अच्छा बदलाव लेकर आयेंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगें, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। इस राशि के विद्यार्थी अपनी कड़ी मेहनत से जल्द ही किसी एग्जाम को क्रैक कर लेंगे। नये काम पर आज विचार करने का पूरा मौका मिल सकता है, लेकिन मौके को हाथ से न जाने दें।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपके व्यापारिक रिश्ते मजबूत होंगे जो भविष्य में आपका लाभ करायेंगे। आज आप व्यर्थ की बातों से दूर रहें और अपने काम के ऊपर फोकस करें। आज आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा।

आधुनिक समाज में सुख की परिभाषा बदल गई

विनीत नारायण

बुजुर्ग दुखी इसलिए हुए कि उनके जीवन का उद्देश्य ही गायब हो गया था। पहले पिता हर सुबह एक उद्देश्य के साथ उठते थे, पत्नी के लिए चाय बनाते, साथ में अखबार पढ़ते, थैला लेकर बाजार जाते, सब्जियों पर चर्चा करते, मोल-भाव करते। माँ खाने की योजना बनातीं, मसाले जाँचतीं, सबके कपड़े सँभालतीं। ये सिर्फ साधारण घरेलू काम नहीं थे। ये वे अदृश्य भावनात्मक धागे थे जो दो बुजुर्गों को मानसिक रूप से जीवित रखते थे और एक-दूसरे से जोड़ते थे।

आधुनिक समाज में सुख की परिभाषा बदल गई है। हम सोचते हैं कि आराम, नौकर-चाकर, ऑनलाइन डिलीवरी और सुविधाओं का ढेर ही जीवन को खुशहाल बना देता है। लेकिन हाल ही में सोशल मीडिया में एक सच्ची घटना शेयर की गई। जिसने इस धारणा को पूरी तरह झूठा साबित कर दिया। यह कहानी सिर्फ एक परिवार की नहीं, बल्कि आज के पूरे समाज का आईना है, जहाँ हम बुजुर्गों को आराम देकर उनसे उनके जीवन का उद्देश्य छीन लेते हैं, और फिर हैरान होते हैं कि घर में शांति क्यों नहीं बची? सोशल मीडिया की पोस्ट के अनुसार कहानी पुणे की है। एक बेटा और बहू लंबे समय तक बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करते रहे। जिनकी मीटिंग्स, डेडलाइन और भागदौड़ भरी व्यस्त जिंदगी थी। घर का लगभग सारा काम उन्होंने आउटसोर्स कर रखा था। कुछ समय बाद में वे दिल्ली लौटे, अपना व्यवसाय शुरू किया और कई वर्षों के अंतराल के बाद पति के 80 वर्षीय माता-पिता उनके साथ रहने लगे। घर आकर उन्होंने देखा कि बुजुर्ग दंपति का पूरा जीवन छोटी-छोटी जिम्मेदारियों के इर्द-गिर्द घूमता था। सुबह चाय बनाना, अखबार पढ़ना, बाजार जाना, सब्जियों पर मोल-भाव करना, मसालों की चर्चा, रोटियाँ बनाना, कपड़े व्यवस्थित करना आदि, ये सब उनकी दिनचर्या का हिस्सा थे। यह देख बेटा-बहू भावुक हो गए। उन्होंने सोचा, माता-पिता ने जीवनभर हमारे लिए संघर्ष किया। हमें हर सुख सुविधा दी है। अब हमारी बारी है उन्हें आराम देने की। उन्होंने पूरी व्यवस्था बदल दी। एक फुल-टाइम रसोईया रख लिया। ई-कॉमर्स कंपनियों से किराना और अन्य ज़रूरी सामान आने लगा। माँ-बाप के लिए अलग-अलग अटेंडेंट और कार व ड्राइवर का इंतज़ाम किया। अटेंडेंट उनके पैर दबाता, जिस्म पर तेल लगाता, चाय-पानी देता, सैर के लिए ले जाता। बच्चों को लगा कि अब माता-पिता सचमुच सुख का जीवन जिएँगे। लेकिन कुछ ही महीनों में सब बिखर गया। माँ ने चलना-फिरना और काम करना बंद कर दिया। दिन भर सोती रहतीं, सहायकों की हर बात की शिकायतें करतीं, उन पर पूरी तरह निर्भर हो गईं। फिर अवसाद आया और डिमेंशिया के लक्षण शुरू

हो गए। पिता चिड़चिड़े और गुस्सैल हो गए। डिलीवरी वालों से झगड़ते, नौकरों को गालियाँ देते, रसोइए को डाँटते, अटेंडेंट पर चीखते चिल्लाते और दिनभर बेमकसद घूमते और गुस्से में घर लौटते। धीरे-धीरे घर का माहौल जहरीला हो गया। बेटा-बहू हैरान हुए कि उनकी इतनी कोशिशों के बावजूद माँ-बाप का जीवन ऐसा खराब क्यों हो गया? यहीं छिपा था जीवन का गहरा सबक। बुजुर्ग दुखी इसलिए नहीं थे कि उनके जीवन में आराम नहीं था। वे दुखी इसलिए हुए कि उनके जीवन का उद्देश्य ही गायब हो गया था। पहले पिता हर सुबह एक उद्देश्य के साथ उठते थे, पत्नी के लिए चाय बनाते, साथ में अखबार पढ़ते, थैला लेकर बाजार जाते, सब्जियों पर चर्चा करते, मोल-भाव करते। माँ खाने की योजना बनातीं, मसाले जाँचतीं, सबके कपड़े सँभालतीं। ये सिर्फ साधारण घरेलू काम नहीं थे। ये वे अदृश्य भावनात्मक धागे थे जो दो बुजुर्गों को मानसिक रूप से जीवित रखते थे और एक-दूसरे से जोड़ते थे। रसोई सिर्फ रसोई नहीं थी, वह संगति थी। बाजार सिर्फ खरीदारी की जगह नहीं था, वह उपयोगिता का भाव देता था। धनिया-मिर्च पर छोटी-छोटी बहसें सिर्फ बहसें नहीं थीं, वे संवाद थे। आधुनिक समाज में युवा बुढ़ापे के मायने गलत समझते हैं। वे सोचते हैं कि बुजुर्गों को सिर्फ आराम चाहिए। मनुष्य को सिर्फ आराम नहीं चाहिए। उसे चाहिए उपयोगी होने का भाव, मन को व्यस्त रखने वाला काम, शरीर के लिए गतिविधि और सबसे महत्वपूर्ण, दिल में यह एहसास कि 'मैं अभी भी जरूरी हूँ। मेरा अभी भी घर में कुछ योगदान है।ó किसी ने उस युवा दंपति को असामान्य सलाह दी, 'अपने माता-पिता की कुछ सुविधाएँ कम करो।ó ये उनके प्रति क्रूरता या उपेक्षा नहीं होगी। इससे उनकी स्टाफ पर अत्यधिक निर्भरता नहीं रहेगी। फुल-टाइम अटेंडेंट हटाओ। कुछ पार्ट टाइम सहायता रखो, लेकिन जिम्मेदारी वापस बुजुर्गों को ही दो। उनके अंदर अपने महत्व का भाव लौटाओ। बेटा माँ से कहने लगा, आप जैसी सब्जी कोई नहीं बना सकता। रोज कम से कम एक सब्जी जरूर बनाइए। बहू ससुर से कहने लगी, आप जो सब्जियाँ लाते हैं, वे हमेशा ताजी होती हैं। धीरे-धीरे पुरानी लय लौटी। बातें शुरू हुईं। अगले दिन की योजनाएँ बनने लगीं। छोटी-छोटी बहसें वापस आईं। चलना-फिरना शुरू हुआ। उद्देश्य लौटा और धीरे-धीरेज् खुशी भी लौट आई। यह कहानी आज के भारत के लिए चेतावनी है। हाल के महीनों में वृद्धाश्रमों से आने वाली खबरें दिल दहला देने वाली हैं। मऊ में एक पिता ने मजदूरी करके बेटे को सरकारी नौकरी दिलवाई, लेकिन आराम की बारी आने पर बेटे ने उन्हें वृद्धाश्रम में छोड़ दिया। भोपाल के 'अपना घर में 70 वर्षीय व्यवसायी की मौत हुई, चार बच्चों में से कोई अंतिम संस्कार के लिए नहीं आया। इंदौर में 85 वर्षीय सरिता नारायण ने साढ़े चार साल तक बेटे का इंतजार किया। बेटा दो दिन में लौटूंगा कहकर गया और फिर कभी नहीं आया। उनकी मृत्यु पर भी कोई नहीं पहुँचा। हरियाणा के सोनीपत में एक पिता की मृत्यु पर तीन बेटियों ने वीडियो कॉल पर अंतिम संस्कार देखा। भोपाल, महाराजगंज, पूर्णिया, हर जगह ऐसी कहानियाँ हैं जहाँ भरा-पूरा परिवार होने के बावजूद बुजुर्ग वृद्धाश्रम में अंतिम दिन काट रहे हैं। ये सिर्फ उपेक्षा की घटनाएँ नहीं हैं। ये उस मानसिकता की देन हैं जहाँ हम बुजुर्गों को 'बोझ समझ लेते हैं। हम उनकी सक्रियता, उनकी छोटी-छोटी जिम्मेदारियों और उनके 'जरूरी होने के भाव को छीन लेते हैं। फिर या तो घर में जहर घुल जाता है, या वे वृद्धाश्रम की चारदीवारी में दम तोड़ देते हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट सीरीज 3-0 से जीती, एक भी खिलाड़ी शतक नहीं लगा पाया

एजेंसी, एजबेस्टन

इंग्लैंड ने यहां हुए तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी मेहमान टीम पाकिस्तान को हराकर 3-0 से सीरीज जीती है। दोनो ही टीम के क्रिकेट इतिहास में ये पहली बार है जब सीरीज में एक भी खिलाड़ी शतक नहीं लगा पाया। इस सीरीज में कुल 20 अर्धशतक लगे पर कोई भी बल्लेबाज 100 रनों तक नहीं पहुंच पाया, यानी किसी भी खिलाड़ी ने शतक नहीं जड़ा। ऐसा क्रिकेट इतिहास में पहली बार हुआ है। इससे पहले 1993 में पाकिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच हुई टेस्ट सीरीज में भी कोई बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया था। तब भी 18 अर्धशतक लगे थे, मगर कोई भी बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया था। इसी प्रकार सल 1969 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुई टेस्ट सीरीज में भी नौ अर्धशतक लगे थे पर शतक एक भी नहीं लगा था।

यह भी हैरानी की बात है कि टेस्ट क्रिकेट में बिना शतक के सबसे अधिक अर्धशतकों वाली शीर्ष-5 सीरीज की सूची में पाकिस्तान का नाम तीन बार दर्ज है। तीन मैचों की इस टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले में पाक टीम नौवें नंबर के बल्लेबाज रजाउल्लाह खान के कारण मैच को चौथे दिन तक खींचने में सफल रहा पर हार से बच नहीं पाया। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट के नाबाद अर्धशतक 62 रनों और जॉर्डन कॉक्स के नाबाद 59 रनों की सहायता से मेजबानों ने 130 रन के छोटे से लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया।

इस प्रभावशाली जीत के साथ, इंग्लैंड ने एक दिन शेष रहते हुए सीरीज में 3-0 से बड़ी जीत हासिल की है। यह साल 2024 के बाद इंग्लैंड की पहली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में पहली क्लीन स्वीप थी, इससे पहले उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ ये कारनामा किया था।

प्रबंधन कौशल में गंभीर का जवाब नहीं : श्रेयस अय्यर

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के प्रबंधन कौशल की सराहना करते हुए कहा है कि वह सभी खिलाड़ियों में से सर्वश्रेष्ठ निकालने में सफल रहते हैं। अय्यर ने कह कि गंभीर एक असाधारण लीडर हैं। वह खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के साथ ही उन्हें कैसी भूमिका निभानी है। इसको लेकर भी अपना रुख साफ रखते हैं।

अय्यर ने बताया कि उन्होंने साल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में कप्तानी के दैरान ही कोच गंभीर की खूबियों को देखा था। साथ ही कहा, वह टीम के अंदर काफी भरोसा और आत्मविश्वास पैदा करते हैं। हर खिलाड़ी को अपनी भूमिका और जिम्मेदारी की स्पष्ट समझ होती

है। कोचिंग के लिहाज से ये सभी चीजें बेहद अहम रहती हैं। उन्होंने गंभीर के खिलाड़ियों के साथ व्यक्तिगत स्तर पर संवाद और प्रबंधन करने के तरीके की भी प्रशंसा की। अय्यर ने इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक खिलाड़ी अपने आप में अलग होता है, और एक प्रभावी लीडर के लिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से समझना जरुरी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले भी केकेआर में गंभीर के साथ काम किया है, इसलिए वह उनके काम करने के तरीके को जानते थे।

वहीं अपनी कप्तानी को लेकर अय्यर ने कहा कि वह खिलाड़ियों पर अनावश्यक दबाव नहीं डालना चाहते। इसके बजाय, वह चाहते हैं कि खिलाड़ी टी20 क्रिकेट की बदलती जरूरतों और खेल की गतिशीलता के अनुरूप खेलें। उन्होंने कहा, जब आप किसी खिलाड़ी से कहते हैं कि टीम में यही आपकी भूमिका है, तो उस पर काफी दबाव बन जाता है। इसके बजाय अगर आप यह कहें कि टीम को इस खास भूमिका में आपकी जरूरत है, तो खिलाड़ी अपने को टीम के लिए अधिक आवश्यक और महत्वपूर्ण महसूस करता है। अय्यर का मानना है कि यह रवैय खिलाड़ियों को स्वाभाविक रूप से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है।

रूट चार मैदानों पर 1000 टेस्ट रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

एजेंसी, एजबेस्टन

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान जो रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टेस्ट में अपनी 62 रनों की नाबाद पारी से अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड भी अपने नाम किया है। वह चार अलग-अलग मैदानों पर 1000 टेस्ट रन पूरे करने वाले विश्व के तीसरे खिलाड़ी बल गये हैं। यहां तक कि ये रिकार्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम भी नहीं है। इसके अलावा एजबेस्टन के मैदान पर ये ये अपलब्धि हासिल करने वाले वह विश्व के पहले खिलाड़ी हैं।

एजबेस्टन से पहले, रूट ने लॉर्ड्स, ओल्ड ट्रैफर्ड और द ओवल में अपने 1000 रन पूरे किये थे।

लॉर्ड्स में उनके नाम सबसे अधिक 2203 रन दर्ज हैं। इसके अतिरिक्त, ओल्ड ट्रैफर्ड में 1128 रन और द ओवल में 1050 रन उन्होंने बनाये हैं। इस प्रकार उनके कुल 1018 रन हो गए हैं। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में रूट से दक्षिण अफ्रीका के महान ऑलराउंडर जैक कैलिस और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने ही चार अलग-अलग मैदानों पर 1000 रन बनाये थे। कैलिस ने केप टाउन में 2181, सेंचुरियन में 1267, डरबन में 1266 और जोहानसबर्ग में 1148 में यह उपलब्धि हासिल की थी। वह रूट की तरह ही एक मैदान पर 2000 से अधिक रन बनाने में सफल रहे। वहीं, रिकी पोंटिंग ने एडिलेड में 1743, सिडनी में 1480 , मेलबर्न में 1338 और ब्रिसबेन 1335 में 1000 रनों का आंकड़ा पार किया।

सीएसके के नए हेड कोच पर जल्द फैसला, हेमांग बदानी सबसे मजबूत दावेदार

एजेंसी, नई दिल्ली

चेन्नई सुपर किंग्स के नए हेड कोच को लेकर चल रहा सस्पेंस अब जल्द खत्म हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अगले एक से दो सप्ताह में फ्रेंचाइजी नए कोच के नाम की आधिकारिक घोषणा कर सकती है। पांच बार की आईपीएल चैंपियन टीम ने लंबे समय तक कोच रहे स्टीफन फ्लेमिंग से अलग होने के बाद नए नेतृत्व की तलाश शुरू कर दी है। इस दौड़ में पूर्व भारतीय बल्लेबाज हेमांग बदानी का नाम सबसे मजबूत दावेदार के तौर पर सामने आया है। चेन्नई सुपर किंग्स ने लगातार तीन सत्र प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रहने के बाद अपने कोचिंग ढांचे में बदलाव का फैसला किया। स्टीफन फ्लेमिंग के साथ लंबे समय से चला आ रहा सफल दौर समाप्त होने के बाद टीम अब नए नजरिए के साथ आगे बढ़ना चाहती है। टीम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक कासी विश्वनाथन ने भी संकेत दिया था कि नए हेड कोच की तलाश की जिम्मेदारी महेंद्र सिंह धोनी को सौंपी गई है। बताया जा रहा है कि धोनी नए कोच के रूप में किसी भारतीय को प्राथमिकता दे रहे हैं। उनका मानना है कि आईपीएल में घरेलू खिलाड़ियों और भारतीय प्रतिभाओं की भूमिका

लगातार बढ़ रही है। ऐसे में भारतीय परिस्थितियों, खिलाड़ियों और घरेलू क्रिकेट की बेहतर समझ रखने वाला कोच टीम के लिए ज्यादा प्रभावी हो सकता है। हेमांग बदानी के पक्ष में उनका कोचिंग अनुभव और घरेलू परिस्थितियों की जानकारी सबसे बड़ी वजह मानी जा रही है। वह दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रह चुके हैं। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका की एसए20, संयुक्त अरब अमीरात की आईएलटी20 और श्रीलंका की एलपीएल जैसी टी20 लीगों में भी कोचिंग की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। तमिलनाडु से क्रिकेट खेलने के कारण उन्हें चेन्नई के चेपॉक मैदान की परिस्थितियों की भी अच्छी जानकारी है। हालांकि बदानी की नियुक्ति के रास्ते में एक बड़ी चुनौती है। बताया जा रहा है कि धोनी चाहते हैं कि सीएसके का नया हेड कोच सिर्फ चेन्नई सुपर किंग्स के लिए काम करे और किसी दूसरी विदेशी टी20 लीग से जुड़ा न हो। फिलहाल बदानी सदर्न ब्रेव और दुबई कैपिटल्स जैसी टीमों के साथ जुड़े हैं और सिएटल ऑर्कास के सलाहकार भी हैं। सीएसके की शर्त स्वीकार करने पर उन्हें ये जिम्मेदारियां छोड़नी पड़ सकती हैं, जिससे आर्थिक नुकसान संभव है। अब फैसला इस बात पर भी निर्भर करेगा कि फ्रेंचाइजी इस नुकसान की भरपाई किस तरह करती है। धोनी की रणनीति को आगामी मेगा नीलामी और टीम के नए सिरे से निर्माण से जोड़कर देखा जा रहा है। सीएसके ऐसा कोच चाहती है जो पूरी तरह टीम के पुनर्गठन पर ध्यान दे और उसे दोबारा शीर्ष स्तर की टीम बनाने में मदद करे।

बिजनेस

‘ब्रिक्स नई दिल्ली घोषणा पत्र भारतीय व्यापारियों और एमएसएमई के लिए वैश्विक अवसरों के नए द्वार खोलेगी’

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अध्यक्षता में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 में घोषित नई दिल्ली घोषणा पत्र भारत के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो भारतीय व्यापारियों, एमएसएमई, स्टार्टअप्स, निर्यातकों के लिए व्यापार, निवेश और व्यवसाय के नए अवसर सृजित करेगी। चांदनी चौक सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने रविवार को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान सर्वसम्मति से जारी नई दिल्ली घोषणा पत्र पर यह बात कही। खंडेलवाल ने कहा कि यह घोषणा पत्र वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते प्रभाव और प्रधानमंत्री मोदी के उस सफल नेतृत्व का प्रमाण है, जिसके कारण भारत आज विश्व मंच पर एक सशक्त और विश्वसनीय आवाज बनकर उभरा है। कैट महामंत्री ने कहा कि व्यापार सुगमता, स्थानीय

मुद्राओं में लेन-देन, डिजिटल भुगतान, तकनीकी सहयोग, मजबूत आपूर्ति श्रृंखला तथा आर्थिक साझेदारियों पर दिया गया जोर भारतीय व्यवसायों को ब्रिक्स सदस्य देशों के बाजारों में विस्तार का एक नया अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने निष्पक्ष एवं नियम-आधारित वैश्विक व्यापार व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता तथा संरक्षणवादी नीतियों के विरोध का स्वागत करते हुए कहा कि इससे भारत जैसे विकासशील देशों को लाभ मिलेगा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को नई मजबूती मिलेगी। खंडेलवाल ने कहा कि यह घोषणा पत्र आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और लोकल टू ग्लोबल के विजन के अनुरूप है तथा भारतीय निर्माताओं, व्यापारियों और उद्यमियों को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से जुड़ने के अधिक अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), नवाचार और फिनटेक पर विशेष जोर का स्वागत करते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में भारत तेजी से वैश्विक नेतृत्व की भूमिका भी निभा रहा है। साथ ही, आतंकवाद के विरुद्ध अपनाए गए सख्त रुख को भी उन्होंने भारत की लंबे समय से चली आ रही नीति को अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिलने का प्रमाण बताया। नई दिल्ली घोषणा पत्र की भावना के अनुरूप खंडेलवाल ने “ब्रिक्स ट्रेड कनेक्ट मिशन” शुरू करने का सुझाव दिया। जिससे इसके माध्यम से भारतीय व्यापारियों और एमएसएमई को बाजार संबंधी जानकारी, खरीदार-विक्रेता बैठकें, निर्यात सहायता और व्यावसायिक नेटवर्किंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। खंडेलवाल ने कहा, “नई दिल्ली घोषणा पत्र केवल एक कूटनीतिक दस्तावेज नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, व्यापार विस्तार और वैश्विक सहयोग का एक दूरदर्शी रोडमैप है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और इसका प्रत्यक्ष लाभ देश के व्यापारियों, उद्यमियों, एमएसएमई तथा उद्योग जगत को मिलेगा।

10 साल की बैटरी वारंटी के साथ आया एथर कोणार्क

एजेंसी, जयपुर

इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता एथर एनर्जी ने शनिवार को जयपुर में अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर कोणार्क पेश किया। कंपनी के नए ईएल प्लेटफॉर्म पर तैयार कोणार्क को रोजमर्रा की सवारी, आराम, लंबी रेंज, मजबूती और कम रखरखाव को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। स्कूटर एस और जैड सीरीज में छह वैरिएंट में उपलब्ध होगा और इसकी अधिकतम 200 किलोमीटर तक की आईडीसी रेंज है। जयपुर में इसकी विशेष शुरुआती कीमत 99,999 रुपए (एक्स-शोरूम) रखी गई है। चुनिंदा वैरिएंट की डिलीवरी चरणबद्ध तरीके से शुरू की जा रही है। कोणार्क का सर्विस अंतराल 10 हजार किलोमीटर है। यानी वाहन की सर्विस 10 हजार किलोमीटर या एक साल, जो भी पहले हो, के बाद करानी होगी। कंपनी के अनुसार इसमें कम सर्विस चेकपॉइंट्स रखे गए हैं और घिसने वाले कलपुर्जे आसानी से उपलब्ध होंगे, जिससे रखरखाव आसान रहेगा। स्कूटर के सभी वैरिएंट में एथर

की पांचवीं पीढ़ी की बेडरॉक बैटरी दी गई है। कंपनी बैटरी पर 10 साल या एक लाख किलोमीटर, जो भी पहले हो, की वारंटी दे रही है। साथ ही वारंटी अवधि पूरी होने तक कम से कम 70 प्रतिशत बैटरी स्वास्थ्य की गारंटी भी दी गई है। कोणार्क को भारतीय सड़कों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें 14 इंच का फ्रंट अलॉय व्हील, 12 इंच का रियर अलॉय व्हील और 1352 मिलीमीटर का व्हीलबेस है। दोनों पहियों पर लॉन्ग-ट्रैवल सस्पेंशन दिए गए हैं। यह एथर का पहला स्कूटर है, जिसमें पीछे की तरफ धातु पैनल और स्टील यूनिबॉडी चेसिस दिया गया है। सीक्वेंशियल गियर-ड्राइव ट्रांसमिशन के जरिए सुगम और लगभग शांत पावर डिलीवरी मिलती है। एथर एनर्जी के हेड ऑफ मार्केटिंग सौरभ शर्मा ने कहा कि राजस्थान इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अधिक से अधिक राइडर्स तक पहुंचाने की दिशा में कंपनी के लिए महत्वपूर्ण राज्य है। कोणार्क उन ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने का इंतजार कर रहे हैं। मेटल बॉडी, 200 किलोमीटर तक की रेंज, आरामदायक सवारी, तेज होम चार्जिंग, 10 हजार किलोमीटर का सर्विस अंतराल और 10 साल की बैटरी वारंटी जैसी सुविधाएं ग्राहकों के लिए उपयोगी हैं। कोणार्क राजस्थान में कंपनी की मौजूदगी बढ़ाने और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कोणार्क के साथ एथर राजस्थान में अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहा है। कंपनी की स्पोर्टी 450 सीरीज और फैमिली स्कूटर रिज्टा पहले से बाजार में मौजूद हैं। जयपुर में कोणार्क की पेशकश को कंपनी ने राज्य में अपने बिक्री, सेवा और चार्जिंग नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में एक और कदम बताया है।

आईटीसी का आशीर्वाद ब्रांड, पांच साल में 20,000 करोड़ का लक्ष्य

एजेंसी, बेंगलुरु

आईटीसी अपने प्रमुख खाद्य ब्रांड ‘आशीर्वाद’ को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य है कि अगले पांच साल में आशीर्वाद उत्पादों पर उपभोक्ता खर्च मौजूदा 10,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,000 करोड़ रुपये हो जाए। मई, 2002 में पूरी तरह गेहूं के आटा ब्रांड के रूप में शुरू हुआ आशीर्वाद अब देश के प्रमुख रसोई ब्रांडों में से एक बन गया है, जिसके पोर्टफोलियो में 200 से अधिक एसकेयू (स्टॉक कीपिंग यूनिट्स) हैं। ब्रांड ने आटा के अलावा स्टेपल्स, मसाले, ताजे और फ्रोजन खाद्य पदार्थों में भी

अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। मलिक के अनुसार, आटा श्रेणी में विकास की असीमित संभावनाएं हैं। कंपनी मल्टीग्रेन, हाई-प्रोटीन, ऑर्गेनिक और मिलेट आधारित आटा जैसे प्रीमियम उत्पादों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो बेहतर गुणवत्ता, सुविधा और पोषण लाभ प्रदान करते हैं। आशीर्वाद अब बेसन, सेवईं, रवा, सोया चंक्स, फ्रोजन नान और पराठे के साथ-साथ ताजी चटनी और सांभर जैसे उत्पादों के माध्यम से नए उपभोक्ता वर्ग और उपयोग के अवसर तलाश रहा है। रेडी-टू-कुक श्रेणी में भी कंपनी ने कदम बढ़ाया है, जिसमें तैयार चपातियां विशेष रूप से युवा परिवारों को ध्यान में रखकर पेश की गई हैं। ये चपातियां बिना किसी अतिरिक्त प्रिजर्वेटिव के 5-6 दिनों तक उपयोग की जा सकती हैं। आईटीसी ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में आशीर्वाद चना सत्तू भी पेश किया है, जो प्रोटीन और फाइबर से भरपूर है। इसे पारंपरिक तरीके से बालू में भूनकर तैयार किया जाता है और जल्द ही इसे देशभर में उपलब्ध कराने की योजना है।

एसएमएल लिमिटेड अगले 2-3 साल में हो सकती है सूचीबद्ध

एजेंसी, नई दिल्ली। कृषि आदान कंपनी एसएमएल लिमिटेड (पूर्व में सल्फर इंडिया लिमिटेड) अगले दो से तीन साल में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने पर विचार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य नई रासायनिक इकाइयों (एनसीई) के विकास के लिए आवश्यक पूंजी जुटाना है। हालांकि, कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है और कंपनी अगले एक-दो साल में स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद कर रही है। मुंबई स्थित एसएमएल लिमिटेड उन चुनिंदा भारतीय कंपनियों में से है जो नई और स्वामित्व वाली रासायनिक इकाइयों (एनसीई) पर काम कर रही है। ये सामान्य जेनेरिक उत्पादों से अलग कंपनी द्वारा विकसित किए गए नए अणु हैं। पिछले तीन वर्षों से कंपनी का यह एक महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र रहा है, हालांकि इसके विकास में प्रति एनसीई 7-8 करोड़ डॉलर का भारी निवेश होता है, जिसका खर्च कंपनी अब तक अपने आंतरिक शोध एवं विकास से उठा रही है। कंपनी फिलहाल करीब 450-470 करोड़ रुपये की नकदी के साथ लगभग कर्ज-मुक्त स्थिति में है। प्रबंधन इस पूंजी का उपयोग भविष्य में अधिग्रहण, नियामकीय परिसंपत्तियों या एनसीई कार्यक्रम में रणनीतिक साझेदारी के लिए कर सकता है। एसएमएल अपने पारंपरिक सल्फर उर्वरक कारोबार से आगे बढ़कर फसल पोषण, फसल संरक्षण और जैविक उत्पादों पर भी ध्यान दे रही है, जिसमें फसल पोषण अगले तीन वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ने वाला कारोबार होने की उम्मीद है।

चाइना सदर्न एयरलाइंस छह साल बाद फिर शुरू करेगी ग्वांगझू-दिल्ली उड़ान सेवा

एजेंसी, नई दिल्ली

चाइना सदर्न एयरलाइंस ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भारत दौरे के बीच छह साल के लंबे अंतराल के बाद 21 सितंबर से ग्वांगझू-नई दिल्ली रूट पर नियमित यात्री उड़ान सेवा को फिर शुरू करने का ऐलान किया है। एयरलाइन की ओर से शनिवार को यह घोषणा ऐसे समय की गई, जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत के दौरे पर हैं।

कंपनी ने कहा कि इस सेवा की बहाली के साथ वह दक्षिण एशिया में आठ मार्गों पर हर हफ्ते 100 से अधिक उड़ानों का संचालन करेगी।

चीन के दक्षिणी ग्वांगडोंग प्रांत की राजधानी ग्वांगझू में मुख्यालय वाली चाइना सदर्न एयरलाइंस चीन स्थित प्रमुख एयरलाइन कंपनियों में से एक है। भारत और चीन के बीच उड़ान सेवाएं 2020 कोरोना यानी कोविड-19 महामारी के बाद निलंबित कर दी गई थीं। इसके बाद पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों के बीच चार साल से अधिक समय तक चले सैन्य गतिरोध के बीच भी इन सेवाओं को बहाल नहीं किया गया। यह गतिरोध पिछले साल अक्टूबर में समाप्त हुआ था। चाइना सदर्न एयरलाइंस की उड़ान सेवाओं की बहाली भारत-चीन संबंधों में धीरे-धीरे हो रहे सामान्यीकरण का हिस्सा है। संबंधों में सुधार के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच 2024 और 2025 में दो अहम बैठकें हुई थीं।

हॉरर थ्रिलर फ़िल्म 418 का ट्रेलर रिलीज़, रहस्यमयी कमरे की कहानी बढ़ाएगी डर

18 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

मैत्री मूवी मेकर्स की आगामी डरावनी रोमांचक फिल्म '418 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। प्रशांत नील की प्रस्तुति और नवीन यरनेनी तथा यलमनचिली रवि शंकर द्वारा निर्मित इस फिल्म से कीर्तन नडागौडा बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत कर रहे हैं। फिल्म की डरावनी प्रचार सामग्री और हाल ही में जारी हुए प्रचार-चित्र ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है।

फिल्म के प्रचार-चित्र में एक सुनसान इमारत और उसके भीतर मौजूद रहस्यमयी कमरा नंबर 418 को दिखाया गया है, जो अलौकिक रहस्य का केंद्र बना हुआ है। लंबे समय से बंद पड़ी इस इमारत के दोबारा खुलने के बाद 18 वर्षीय विवेक की जिंदगी में अजीब घटनाएं घटने लगती हैं। वह धीरे-धीरे वास्तविकता और परेशान करने वाले भ्रम के बीच उलझ जाता है।

कहानी में गर्भवती महिला देविका के आने के बाद रहस्य और गहरा जाता है। वहीं, इमारत से जुड़े 15 साल पुराने काले इतिहास के सामने आने से घटनाओं में रोमांच और भय लगातार बढ़ता जाता है।

निर्देशक कीर्तन नडागौडा ने पारंपरिक डरावनी फिल्मों में दिखाई जाने वाली घिसी-पिटी डराने वाली तकनीकों के बजाय वातावरण, मनोवैज्ञानिक तनाव और स्वाभाविक भय पर अधिक ध्यान दिया है। प्रचार-चित्र में सुनसान इमारत और उसके आसपास की रहस्यमयी घटनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है, जिससे कहानी को लेकर जिज्ञासा बढ़ती है। फिल्म की छायांकन की जिम्मेदारी दिनेश दिवाकर ने संभाली है। उनकी कैमरा तकनीक डरावने स्थानों और घटनाओं को अलग दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है। वहीं, वेंकी जीजी के पार्श्व संगीत और ध्वनि संयोजन से फिल्म में खतरे तथा भय का माहौल और अधिक प्रभावशाली बनता दिखाई देता है।

फिल्म की अभिनेत्री चैत्रा अचार प्रचार-चित्र में अपनी डरावनी और प्रभावशाली प्रस्तुति के कारण खास तौर पर ध्यान आकर्षित करती हैं। उनके अभिनय से कई दृश्य बेहद भयावह और बेचैन करने वाले नजर आते हैं। सूर्या राज, चरण लक्काराजू और प्रीति पगडाला ने भी अपने अभिनय से फिल्म में प्रभाव छोड़ा है। '418 की कहानी रहस्य, अलौकिक घटनाओं, मनोवैज्ञानिक तनाव और बढ़ते भय के इर्द-गिर्द बुनी गई है। फिल्म के प्रचार से संकेत मिलता है कि निर्माताओं ने केवल डराने के बजाय दर्शकों को कहानी के रहस्य से लगातार जोड़े रखने पर भी विशेष ध्यान दिया है। सुनसान इमारत, रहस्यमयी कमरा, 15 साल पुराना काला इतिहास और वास्तविकता तथा भ्रम के बीच उलझता मुख्य किरदार फिल्म के प्रति उत्सुकता बढ़ा रहे हैं। अब 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि '418 डरावनी फिल्मों के शौकीन दर्शकों को कितना प्रभावित कर पाती है।

बिग बॉस 20 में छाईं उदिति सिंह

कई विज्ञापनों और म्यूजिक वीडियो में आ चुकी हैं नजर

टीवी जगत के सबसे बहुचर्चित और चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' का आगाज हो चुका है और हर बार की तरह इस बार भी सलमान खान के इस शो में मनोरंजन, ग्लैमर और ड्रामे का तड़का लगाने कई मशहूर हस्तियां पहुंची हैं। इन्हीं मशहूर चेहरों में से एक नाम, जो इस समय दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है, वह है खूबसूरत अभिनेत्री और मॉडल उदिति सिंह का। उदिति ने बतौर प्रतियोगी बिग बॉस के घर में प्रवेश किया है और अपनी दमदार मौजूदगी से उन्होंने आते ही खुद को शो के मजबूत दावेदारों की सूची में शामिल कर लिया है। हालांकि, आम जनता और टीवी प्रेमियों के बीच उदिति सिंह की पहचान मुख्य रूप से एक उभरती हुई अभिनेत्री के तौर पर है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि ग्लैमर इंडस्ट्री तक पहुंचने का उनका सफर काफी दिलचस्प और प्रेरणादायक रहा है। उनके करियर से लेकर उनकी पर्सनल लाइफ में कई ऐसे पहलू हैं, जिनसे उनके चाहने वाले अब तक अंजान रहे हैं। उदिति सिंह मूल रूप से पंजाब के खूबसूरत शहर चंडीगढ़ से ताल्लुक रखती हैं। उनका पालन-पोषण और शुरुआती शिक्षा चंडीगढ़ में ही हुई। पढ़ाई-लिखाई में होशियार उदिति ने उच्च शिक्षा के लिए विदेश का रुख किया और अपनी आगे की पढ़ाई लंदन से पूरी की। लंदन में पढ़ाई के दौरान ही उनका झुकाव फैशन, ग्लैमर और अभिनय की दुनिया की तरफ बढ़ा। पढ़ाई पूरी करने के बाद उदिति ने अपने सपनों को साकार करने के लिए भारत वापसी की और ग्लैमर इंडस्ट्री में कदम रखा। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की। अपनी मनमोहक मुस्कान, शानदार व्यक्तित्व और बेहतरीन फैशन सेंस के चलते वे जल्द ही कई बड़े फैशन ब्रांड्स और डिजाइनरों की पहली पसंद बन गईं। उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के विज्ञापनों में काम किया, जिससे उन्हें इंडस्ट्री में पहचान मिलनी शुरू हुई। म्यूजिक वीडियोज और विज्ञापनों में सफलता हासिल करने के बाद उदिति का अगला बड़ा कदम बॉलीवुड में था। उन्हें सुजॉय घोष के निर्देशन में बनी थ्रिलर फिल्म 'जाने जान' (Jaane Jaan) में एक अहम भूमिका निभाने का मौका मिला। इस फिल्म में बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री करीना कपूर खान, जयदीप अहलावत और विजय वर्मा जैसे मंझे हुए कलाकार मुख्य भूमिकाओं में थे। इतने बड़े और दिग्गज कलाकारों की मौजूदगी के बावजूद उदिति सिंह अपनी छोटी लेकिन प्रभावकारी भूमिका से दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान खींचने में सफल रहीं। फिल्म में उनके अभिनय को काफी सराहना मिली और इस प्रोजेक्ट ने उनके फिल्मी करियर को एक नई दिशा दी। ग्लैमर की दुनिया में कदम रखने के साथ ही उदिति सिंह अपनी निजी जिंदगी और लव लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहीं। टीवी इंडस्ट्री के हैंडसम और मशहूर अभिनेता करण वाही के साथ उनके रिश्ते की खबरें लंबे समय तक मीडिया में छाई रहीं। दोनों को अक्सर एक-दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिताते, वैकेशन्स पर जाते और सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करते देखा जाता था। फैंस को दोनों की जोड़ी बेहद पसंद आती थी। हालांकि, समय के साथ उनके अलग होने की खबरें भी सामने आईं। उदिति और करण वाही दोनों ही अपनी पर्सनल लाइफ को काफी प्राइवेट रखना पसंद करते हैं। यही वजह है कि दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को लेकर या फिर ब्रेकअप की वजहों पर सार्वजनिक रूप से खुलकर कोई बयान नहीं दिया और इस मुद्दे पर हमेशा चुप्पी साधे रखी। उदिति सिंह की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर उनके 10 लाख (1 मिलियन) से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

हिमेश रेशमिया के एल्बम से मिला पहला बड़ा ब्रेक

मॉडलिंग के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने के बाद उदिति ने अभिनय की ओर रुख किया। साल 2021 उनके करियर का एक aमहत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। मशहूर संगीतकार और गायक हिमेश रेशमिया ने अपने सुपरहिट म्यूजिक वीडियो 'सुरूर' (Surroor) के लिए उदिति सिंह को बतौर मुख्य अभिनेत्री कास्ट किया। इस म्यूजिक वीडियो में उदिति की खूबसूरती और उनकी अदाकारी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। 'सुरूर' गाना रातों-रात हिट हो गया और इसके साथ ही उदिति सिंह भी मनोरंजन उद्योग में एक चर्चित चेहरा बन गईं। इसके बाद उदिति को कई अन्य लोकप्रिय म्यूजिक वीडियोज और कमर्शियल विज्ञापनों के ऑफर मिलने लगे, जहाँ उन्होंने अपनी अभिनय क्षमताओं का परिचय दिया।

हर बात रिश्ते के बारे में नहीं होती : जैस्मिन

हाल ही में टीवी अभिनेत्री जैस्मिन भसीन अपने पहले टैटू 'आई एम इनफ' की तस्वीर और उससे जुड़ा अनुभव साझा किया था। सोशल मीडिया यूजर्स ने इसके बाद उनके पोस्ट को अभिनेता और उनके बॉयफ्रेंड अली गोनी के साथ जोड़ना शुरू कर दिया। देखते ही देखते दोनों के ब्रेकअप की अटकलें लगने लगीं। अब जैस्मिन ने खुद इन खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए स्पष्ट किया है कि उनके हर पोस्ट का संबंध उनके रिश्ते से नहीं होता। जैस्मिन ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए उन मीडिया पेजों पर नाराजगी जाहिर की, जिन्होंने उनके टैटू वाले पोस्ट को ब्रेकअप का संकेत बताया था। अभिनेत्री ने कहा कि उनकी जिंदगी में आने वाला हर 'क्रिप्टिक मैसेज' उनके रिश्ते के बारे में नहीं होता। कई बार एक महिला केवल अपने बारे में भी बात कर रही होती है। उन्होंने मीडिया पेजों पर सिर्फ व्यूज और ध्यान आकर्षित करने के लिए पोस्ट का अलग अर्थ निकालने का आरोप लगाया।

अभिनेत्री ने कहा कि कई बार कपल की तस्वीरों का इस्तेमाल कर ऐसी खबरों का माहौल बनाया जाता है, जिससे ज्यादा लोगों का ध्यान आकर्षित हो। उन्होंने प्रशंसकों से ऐसी अटकलों को लेकर ज्यादा परेशान न होने की अपील भी की। जैस्मिन की प्रतिक्रिया के बाद उनके प्रशंसकों के बीच यह संदेश गया कि उनके टैटू का उद्देश्य अपने रिश्ते को लेकर कोई संकेत देना नहीं था। दरअसल, जैस्मिन ने अपने पहले टैटू के बारे में बताते हुए कहा था कि लंबे समय तक वह खुद को दूसरों की पसंद और उम्मीदों के अनुसार ढालने की कोशिश करती रहीं। उन्हें लगता था कि प्यार, स्वीकार किए जाने और किसी की जिंदगी में अपनी जगह बनाने के लिए उन्हें खुद में बदलाव करना जरूरी है। इस कोशिश में वह धीरे-धीरे अपनी असली पहचान खोने लगी थीं। जैस्मिन ने बताया कि एक हीलिंग सेशन के दौरान उन्हें अपनी जिंदगी को लेकर महत्वपूर्ण एहसास हुआ। उन्हें समझ आया कि किसी दूसरे व्यक्ति की दुनिया में फिट होने के लिए खुद को छोटा करने या बदलने की जरूरत नहीं है। इसी सोच को हमेशा अपने साथ रखने के लिए उन्होंने 'आई एम इनफ' यानी 'मैं अपने लिए पर्याप्त हूं' को अपने पहले टैटू के रूप में चुना। इसी पोस्ट के बाद लोगों ने उनके रिश्ते को लेकर कयास लगाने शुरू कर दिए। हालांकि, जैस्मिन ने साफ कर दिया कि वह फिलहाल अपनी ऊर्जा ऐसी अटकलों पर खर्च नहीं करना चाहतीं। अली गोनी और जैस्मिन लंबे समय से रिश्ते में हैं और दोनों की जोड़ी को प्रशंसकों का काफी प्यार मिलता है।

'हैवान' की पहले दिन की कमाई रही निराशाजनक

बॉक्स ऑफिस पर 'हनुमान अंश' का दबदबा कायम है। फिल्म की मजबूत पकड़ के बीच अक्षय कुमार और सैफ अली खान की नई रिलीज 'हैवान' दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम रही। सैफ और अक्षय की जोड़ी की वापसी वाली इस फिल्म ने पहले दिन बेहद निराशाजनक प्रदर्शन किया। सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, 'हैवान' ने देशभर में करीब 7,224 शो के बावजूद पहले दिन सिर्फ 3 करोड़ रुपये का कारोबार किया। वहीं, 'हनुमान अंश' की कमाई का सिलसिला लगातार जारी है। रिलीज के 36वें दिन भी फिल्म ने 5,743 शो के साथ करीब 10 .50 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही भारत में फिल्म की कुल कमाई 173 .63 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। लेखक और निर्देशक डॉ. विशाल चतुर्वेदी की किताब पर आधारित इस फिल्म में शोभिनव सत्या मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म नीम करोली बाबा के जीवन पर आधारित है और लगातार बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है। दूसरी ओर, पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु अभिनीत 'मिर्जापुर द मूवी' भी बॉक्स ऑफिस पर मजबूत प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने पहले सप्ताह में 148 .45 करोड़ रुपये कमाए थे। रिलीज के आठवें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को कमाई में कुछ गिरावट के बावजूद फिल्म ने करीब 9 करोड़ रुपये जुटाए। इसके साथ ही भारत में 'मिर्जापुर द मूवी' की कुल कमाई 157 .45 करोड़ रुपये हो गई है।

हरियाणा से एम्स्टर्डम तक छाया सपना चौधरी का जादू

'तेरी आंख्या का यो काजल' पर प्लेन में भी नाचे लोग

हरियाणवी छोरी सपना चौधरी को गाना तेरी आंख्या का यो काजल की लोकप्रियता ने रातोरात सुपर स्टार बना दिया था। जब भी इस गाने पर सपना चौधरी परफार्मेंस करती है तो उन्हें देखने के लिए भीड़ बेकाबू हो जाती है। इस गाने पर सपना ने स्टेज पर जमकर डांस किया था और सूट-सलवार में उनका कातिलाना अंदाज देख लोग आहें भरने लगते थे। यह गाना आज यूट्यूब पर 100 करोड़ से ज्यादा बार देखा जा चुका है और हरियाणा में तो सपना का ये गाना धूम मचा देता है। यूट्यूब पर सोनोटेक म्यूजिक के ऑफिशियल अकाउंट से यह 12 अप्रैल 2017 को लॉन्च हुआ था। आज भी हर जगह सपना से इस गाने पर परफॉर्म करने की डिमांड रहती है और आज सपना बड़ी स्टार बन चुकी हैं, लेकिन लोग उनके इस गाने को भूल नहीं पाए हैं। सपना चौधरी का गाना 'तेरी आंख्या का यो काजल' उनके करियर का सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला और चर्चित गाना है। साल 2018 में सोनोटेक के बैनर तले रिलीज हुए इस गाने ने धूम मचा दी थी। गाने की धुन, देसी अंदाज और सपना चौधरी के जोशीले डांस ने इसे लोगों के बीच खासा लोकप्रिय बना दिया। गाने में सपना ने ऐसे ठुमके लगाए थे कि पूरा हरियाणा झूम उठा था। शादी-ब्याह से लेकर स्टेज शो और सोशल मीडिया तक हर जगह इस गाने की धूम है। इस गाने को सुनकर जवान तो क्या बूढ़े भी नाच उठते हैं, यही इसकी बेमिसाल लोकप्रियता का प्रमाण है। सपना का 'तेरी आंख्या का यो काजल' इतना बड़ा हिट साबित हुआ था कि इसके अलग-अलग वर्जन को मिलाकर गाने के व्यूज 100 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुके हैं। आधिकारिक सोनोटेक चैनल पर भी इस गाने को करोड़ों बार देखा जा चुका है। गाने को आवाज डीसी मदाना ने दी है, वहीं वीआर ब्रॉस का म्यूजिक और वीर ढैय्या तथा हंसराज रेलहन के लिखे बोल इसे खास बनाते हैं। लेकिन आम लोगों के बीच ये गाना सपना चौधरी के डांस की वजह से ही ज्यादा पॉपुलर हुआ है। प्लेन से लेकर विदेश तक सपना के इस गाने का जलवा देखने को मिलता है। सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो सामने आए, जिनमें लोग अलग-अलग जगहों पर 'तेरी आंख्या का यो काजल' पर डांस करते नजर आए। इस गाने पर लोग प्लेन के अंदर भी डांस कर चुके हैं, वहीं एम्स्टर्डम में किंग्स डे सेलिब्रेशन के दौरान विदेशी लोगों को भी इस गाने की धुन पर थिरकते देखा गया था।

महंगी क्रॉकरी को लंबे समय तक नए जैसा बनाए रखने के आसान तरीके, आप भी अपनाएं

महंगी क्रॉकरी हर किसी को पसंद होती है, क्योंकि यह खाने के अनुभव को और भी खास बना देती है। हालांकि, इसे लंबे समय तक नया बनाए रखना थोड़ा मुश्किल काम हो सकता है। अगर सही तरीके से देखभाल न की जाए तो यह जल्दी खराब हो सकती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और उपयोगी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपनी महंगी क्रॉकरी को लंबे समय तक सुरक्षित और चमकदार रख सकते हैं।

महंगी क्रॉकरी को बहुत गर्म पानी से धोने से बचें, क्योंकि यह उसकी चमक और गुणवत्ता को खराब कर सकता है। गर्म पानी के कारण क्रॉकरी कमजोर हो सकती है या उसमें दरारें आ सकती हैं। इसके बजाय हल्के गुनगुने पानी और हल्के साबुन का इस्तेमाल करें। इससे आपकी क्रॉकरी साफ भी रहेगी और उसकी चमक भी बनी रहेगी। इसे धोने के बाद सूती कपड़े से हल्के हाथों से पोंछकर सुखाना न भूलें।

बर्तन धोने की मशीन का इस्तेमाल न करें : महंगी क्रॉकरी को बर्तन धोने की मशीन में धोने से बचें, जिसे डिश वॉशर भी कहा जाता है। मशीन के तेज घूमने वाली सुविधा और गर्म पानी के कारण क्रॉकरी टूट सकती है या उसकी डिजाइन खराब हो सकती है। हमेशा अपनी क्रॉकरी को हाथ से धोएं और इसे धोने के बाद सूती कपड़े से पोंछकर साफ करें। इसे सुखाने के लिए ऐसी जगह रखें, जहां धूप या तेज गर्मी न हो। महंगी क्रॉकरी को साफ करने के लिए खुरदरे ब्रश, लोहे की जाली या किसी भी तेज चीज का इस्तेमाल न करें। इससे क्रॉकरी पर खरोंच आ सकती है और उसकी सुंदरता खराब हो सकती है। इसके बजाय मुलायम स्पंज या सूती कपड़े का इस्तेमाल करें। अगर दाग हटाने में दिक्कत हो रही हो तो हल्के गर्म पानी में साबुन डालकर क्रॉकरी को कुछ देर भिगोकर रखें। इससे दाग आसानी से हट जाएंगे और आपकी क्रॉकरी सुरक्षित रहेगी। महंगी क्रॉकरी को तेज गर्मी में रखने से बचें। माइक्रोवेव में या सीधे तेज आग के संपर्क में आने से क्रॉकरी का रंग खराब हो सकता है या उसमें दरारें आ सकती हैं। खाना गर्म करने के लिए अलग बर्तन का इस्तेमाल करें और फिर उसे क्रॉकरी में परोसें।

अनुष्का-विराट अपनी सादगी भरी आउटिंग को लेकर चर्चा में

भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी धर्मपत्नी बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा फिर अपनी सादगी भरी आउटिंग को लेकर चर्चा में हैं। अपनी निजी जिंदगी को लाइमलाइट से दूर रखने वाले विराट और अनुष्का का यह अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। उन्हें लंदन की सड़कों पर साथ टहलते हुए स्पॉट किया गया, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। वायरल तस्वीरों में विराट कोहली ऑलिव ग्रीन स्वेटशर्ट और डेनिम में कैजुअल लुक में नजर आए, वहीं अनुष्का शर्मा ने भी बेहद सिंपल और कंफर्टेबल लुक चुना, जिसमें वह टॉप, जॉगर्स, जैकेट और कैप में दिखाई दीं। दोनों सड़क पर साथ-साथ चलते नजर आए और उनके साथ एक खाली स्ट्रॉलर भी दिखा। एक तस्वीर में विराट स्ट्रॉलर संभालते दिखे, जबकि अनुष्का आराम से कॉफी पीती हुई उनके साथ चल रही थीं। एक दूसरी तस्वीर में दोनों सड़क पर एक महिला से बातचीत करते नजर आए। विराट और अनुष्का की यह झलक ऐसे समय में सामने आई है, जब दोनों की लंदन में मौजूदगी लगातार चर्चा में बनी हुई है। हाल ही में विराट ने भी सोशल मीडिया पर अपनी और अनुष्का की निजी जिंदगी की एक छोटी-सी झलक शेयर की थी, जिसमें दोनों के मैचिंग सफेद जूते नजर आए थे। इस प्यारी-सी तस्वीर ने भी सोशल मीडिया पर खूब ध्यान खींचा था। बता दें कि विराट और अनुष्का ने 11 दिसंबर 2017 को इटली के लेक कोमो में शादी की थी। इसके बाद दोनों बेटी वामिका के माता-पिता बने और 2024 में उनके बेटे अकाय का जन्म हुआ। दोनों अपने बच्चों को मीडिया की नजरों से दूर रखते हैं और अपनी फैमिली लाइफ को काफी प्राइवेट रखते हैं। विराट और अनुष्का के लंदन में रहने को लेकर भी काफी चर्चा रही है।

SC's 13 queries to FSSAI: 'Give details on shape, size, colour of food label

NEW DELHI: Supreme Court has directed FSSAI to spell out details of how front-of-pack food warning labels will look, their shape, size, colour, placement on packets and the timeline of implementation, leaving nothing to the discretion of the food regulator.

The court also wanted to know how Centre plans to warn children about the dangers of junk food.

After FSSAI agreed to implement labelling after being pushed by SC and filed an affidavit, a bench of Justices J B Pardiwala and K Vinod Chandran put 13 questions to the regulator and gave 10 days' time for answers.

Though SC acknowledged "significant progress" has been made by FSSAI on this issue of national importance, it said the regulator's affidavit was silent on various issues and several aspects of practical implementation required clarification.

The 13 questions are part of the detailed order uploaded by the court on Friday, which also includes its observations from the previous day on why FSSAI proposed a two-phase rollout of the labelling requirements instead of implementing them in one go.

'Red hexagon' to send out warning to customers

According to FSSAI's proposal, during Phase I, a red hexagonal warning would be placed on products high in two or more nutrients of concern, namely added fat, added sugar and salt, based on thresholds in the Dietary Guidelines for Indians, 2024. The warning could carry declarations such as "HIGH FAT", "HIGH SUGAR", "HIGH SALT" and "HIGHLY SWEETENED BEVERAGE". The proposed Phase II would extend the warning to products high in any one of the specified nutrients. The order questions the regulator on what basis it suggested the inclusion of food products high in "two or more" nutrients of concern and certain sweetened beverages in Phase I, and the inclusion of food products high in "any one" nutrient of concern in Phase II, respectively.

The court also said sugar, salt and fat are called the "Unholy Trinity" and that "the 'unholiness' arises not only from the added sugar and added fat in a food product but the total value of these nutrients available in a product, which has to be considered.

The Supreme Court incorporated the suggestion of advocate Rajiv Shankar Dvivedi that the threshold must be decided based on "total sugar" and "total fat" and not on the basis of "added sugar" and "added fat". Referring to the 2021 FSSAI meeting, the Bench said, "It is clear from the aforesaid minutes that 'total sugar' and 'saturated fat' would be used for the purpose of the labelling.

NMC adds over 13,000 MBBS seats, total intake tops 1.4 lakh

New Delhi, Agency: The National Medical Commission (NMC) has approved 13,186 additional MBBS seats for the 2026-27 academic year, taking the total approved undergraduate medical intake to 1,40,214 seats across 836 medical colleges, excluding seats at the Institutes of National Importance (INIs). The updated seat matrix, as on September 1, incorporates permissions for new medical colleges and increases in the annual intake of existing medical colleges. The expansion comes as NEET-UG counselling for the 2026-27 MBBS batch is under way, with the counselling schedule pushing back the start of the academic session and subsequent rounds, including the stray vacancy round, expected to continue into Oct.

The increase is heavily driven by the private sector, which accounts for 10,400 of the 13,186 additional seats, or nearly 79%, while govt medical colleges have added 2,786 seats. The total intake has risen from 1,27,028 renewed seats to 1,40,214, an increase of about 10.4%. Karnataka has recorded the highest increase with 1,650 additional seats; followed by Tamil Nadu with 1,250; Bihar with 1,240; Uttar Pradesh with 1,200 and Rajasthan with 1,100. Telangana has added 1,010 seats and West Bengal 975. Karnataka's total MBBS intake now stands at 15,745 seats, including 4,600 in govt colleges and 11,145 in private colleges.

ECL Opens AMRIT Pharmacy at Sanctoria Hospital to Cut Medicine Costs

DB Reporter

Sanctoria (Asansol): Eastern Coalfields Limited (ECL) has inaugurated an AMRIT Pharmacy at Sanctoria Hospital, strengthening affordable healthcare support for its employees, their families and residents of surrounding areas. ECL Chairman-cum-Managing Director (CMD) Satish Jha inaugurated the facility on Friday.

The AMRIT Pharmacy, which stands for Affordable Medicines and Reliable Implants for Treatment, is operated by HLL Lifecare Limited, a Government of India healthcare products manufacturing company under the Ministry of Health and Family Welfare. The facility will provide quality medicines, surgical products and medical implants at substantially discounted prices.

The pharmacy is expected to be particularly beneficial for serving ECL employees, who will have cashless access to medicines as per applicable provisions.

Officials claim 50 outcomes, but no clarity on united declaration

New Delhi, Agency: India's Brics presidency has yielded over 50 tangible and practical outcomes, including frameworks and action plans, across the four priority pillars of resilience, innovation, cooperation and sustainability, official sources said ahead of the summit that begins Saturday.

According to Indian authorities, the takeaways for India include an unequivocal condemnation of terrorism and commitment to combat it in all its forms and manifestations, a consensus for reform of institutions of global governance, strengthened multilateralism and support for India's UNSC membership bid.

While there was still no clarity about the summit culminating in a unified

declaration because of differences between UAE and Iran on the West Asia situation, govt sources said they were confident of a constructive outcome because of the support received by India's chairship.

The foreign minister-level meeting had earlier ended without a consensual statement because of the discord over West Asia.

"With engagement spanning diverse sectors, 400 meetings during the year, India's chairship has demonstrated strong convening and consensus-building strength. Outcomes helped people of Brics countries, including women, farmers and entrepreneurs," said an official.

Sources said India had emerged as a strong voice of Global South and had a role in ensuring its perspectives and aspirations were reflected in the emerging global order. The summit will begin with PM Narendra Modi chairing a session on strengthening multilateralism.

Govt believes India has emerged as a bridge builder, positioning Brics as a platform for dialogue and constructive cooperation, as reflected in the consensus documents of ministerial/heads of agency meetings.

According to govt, the presidency was a whole-of-nation effort, bringing together Centre, states, institutions, industry, academia, youth, civil society and communities, with events held in more than 30 cities.

Goyal: Pull down barriers, allow easy movement to professionals

New Delhi, Agency: Commerce and industry minister Piyush Goyal Friday called for dismantling of trade barriers by Brics nations while urging them to link payment systems and trade in each other's local currency.

"We should open our markets for each other's products, including raw material and critical minerals. Our supply chains will be resilient when they run both ways, with non-tariff measures imposing higher import costs, in fact much more than the tariffs themselves," the minister said at Brics Business Forum. He called for streamlining regulatory and customs processes while also promoting services trade. "Let us open our services market for each other in the real sense, let professionals move easily across borders and make it easier to recognise each other's professional qualifications," the minister said. The comments come amid

several countries holding up visas for Indian professionals and some like China mounting curbs on the export of many items while denying market access to goods from parts of the world. Pointing to initiatives taken by govt in laying out digital public infrastructure, Goyal said, "Today, it (UPI) is also accepted in 11 countries and I would urge Brics member countries and partner countries to link our payment systems, trade in each other's local currencies, make digital trade global and build together for the future emerging technologies.

Shashi Tharoor answers Chidambaram's questions on Brics benefits for India; BJP takes digs

New Delhi, Agency: Shashi Tharoor not being in sync with his Congress colleagues is no longer news. Especially, if the issue in question pertains to the global stage. So, when senior Congress leader Chidambaram questioned the benefits of Brics for India, Tharoor had an answer. As expected, the answer triggered another round of Tharoor vs Congress debate that overshadowed the BJP broadside against Chidambaram.

On Wednesday, Chidambaram questioned the tangible benefits India has gained from recent Brics summits, and said he had not seen any signifi-

cant outcomes from the last two or three meetings.

"I don't know how many presidents and how many prime ministers are coming. I don't think the last two or three Brics summits have resulted in tangible benefits or tangible results," Chidambaram stated. "In fact, we are part of Brics, we are part of SCO, we are part of G20, and we are part of QUAD. What benefits are we getting out of that? I can't see. In the last two or three summits, I didn't see any benefits. Earlier, the Brics summits resulted in some tangible benefits," he added.

Chidambaram's remarks opened the floodgates for counter-attacks from the ruling party. The BJP leaders launched a broadside against Chidambaram and the Congress. What followed was a barrage of attacks ranging from "Dimagi Naxal", "Naraz Fufas in pain", "FOMO", "indigestion", "bitten by bug" to questions on what Congress had gained in diplomacy since Independence

Is diplomacy to be seen as a transaction like the Congress Party is projecting? What have I done for you? What will you do for me? Kind of an approach. What is the so-called tangible result?" BJP leader Nalin Kohli wondered.

Kohli then questioned the Congress party's own diplomatic record from Independence until 2014. "If we talk of tangible results, we can question what the Congress Party's entire approach from 1947 right up to 2014 was on diplomacy, including Sharm El Sheikh and especially pakistan as literally a victim of terror when it is the perpetrator of terror," he stated.

Counting Discounts

New Delhi, Agency: How good is that online deal We'll know from Jan 1 For years, UK consumer group "Which?" has found that many Black Friday deals are not really bargains. A shop may say a product has been cut from £500 to £400, but the product may never have actually sold for £500. Last year, none of the deals checked by the group was the cheapest price that product had been sold for in the previous 12 months.

You may have seen something similar during festive sales in India. A product you have been waiting to buy during a Diwali sale may suddenly become more expensive when the sale begins. The "discounted" price may even be the same as, or higher than, its earlier price.

The good news is that this should change on e-commerce platforms in India from January 1. Under new rules, when a seller announces a discount, it will also have to show the product's "prior price". This means the lowest price at which the product was sold on that platform during the 30 days before the discount was announced.